Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 28 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, बुधवार 29 जुलाई 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

परिश्रम के द्वारा मंजिल तब प्राप्त होती है, जब अपना ध्यान मजबूत होता है।

Hand work begets us the destination only when we have determined meditation.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

राहुल गांधी का प्रल्हाद जोशी पर तीखा हमला

■ बोले- 'बलात्कारियों का बचाव करने वाले से घिनौना कोई नहीं'

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान राहुल गांधी ने जोशी की नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए उन पर गंभीर आरोप लगाए। राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने देश के शिक्षा मंत्री के रूप में ऐसे व्यक्ति को चुना है, जो कथित तौर पर बलात्कार के आरोपियों का बचाव करते हैं। उन्होंने कहा, जो व्यक्ति यह कहे कि बलात्कारियों को सुरक्षा की जरूरत है, उससे ज्यादा घिनौना इंसान कोई नहीं हो सकता।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि कैबिनेट में किसी भी व्यक्ति को शिक्षा मंत्री बनाया जा सकता था, लेकिन सरकार ने प्रल्हाद जोशी को यह जिम्मेदारी दी। उन्होंने आरोप लगाया कि जोशी ने बलात्कार के आरोपियों को बचाने की बात कही थी। राहुल गांधी ने कहा, आज भारत के शिक्षा मंत्री वही व्यक्ति हैं। प्रधानमंत्री कैबिनेट में किसी को भी चुन सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसे व्यक्ति को चुना जो बलात्कारियों को बचाता है।

प्रियंका गांधी के बयान पर लोकसभा में हुआ हंगामा

यह विवाद उस समय और बढ़ गया, जब कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने लोकसभा में पेपर लीक विरोधी विधेयक पर चर्चा के दौरान प्रल्हाद जोशी पर निशाना साधा। प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने ऐसे व्यक्ति को शिक्षा मंत्री बनाया है, जो एक गर्भवती महिला से बलात्कार के दोषियों की रिहाई पर सहमति जता चुके हैं। प्रियंका गांधी के बयान के बाद सदन में हंगामा हुआ। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने उनके बयान पर आपत्ति जताते हुए उनसे माफी मांगने की मांग की। इसी विवाद के बीच राहुल गांधी ने संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रल्हाद जोशी पर यह तीखा हमला बोला।

राज्यसभा में विपक्ष के हंगामे के बीच एमएसएमई संशोधन विधेयक 2026 पेश, सदन बुधवार तक स्थगित

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान मंगलवार को भी राज्यसभा में विपक्ष के हंगामे का सिलसिला जारी रहा। प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस द्वारा कथित बल प्रयोग के मुद्दे को लेकर विपक्षी सांसदों की नारेबाजी के कारण सदन की कार्यवाही बार-बार बाधित हुई। इसी हंगामे के बीच केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास विधेयक, 2026 सदन में पेश किया। सुबह कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने नारेबाजी शुरू कर दी, जिसके चलते दोनों सदनों की कार्यवाही पहले दोपहर 2 बजे तक स्थगित करनी पड़ी। दोपहर में सदन दोबारा शुरू होने पर भी शोर-शराबा जारी रहा। हंगामे के बावजूद मांझी ने विधेयक पेश करने की अनुमति मांगी और इसे सदन में पेश कर दिया। लेकिन व्यवस्था बहाल न हो सकी और राज्यसभा की कार्यवाही बुधवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी गई है। इससे पहले गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय द्वारा पेश किए गए राष्ट्र-गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 पर भी चर्चा नहीं हो सकी। हंगामे के कारण इस पर भी सदन का कार्यवाही आगे नहीं बढ़ पाई। वहीं लोकसभा में दोपहर बाद कार्यवाही शुरू होने पर 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' पर चर्चा शुरू हो गई है।

विश्व मंच पर छत्तीसगढ़ की बेटी ज्ञानेश्वरी का दमदार प्रदर्शन, सीएम साय ने वीडियो कॉल पर दी बधाई

■ कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में रजत पदक जीतने वाली ज्ञानेश्वरी यादव से मुख्यमंत्री ने की आत्मीय बातचीत

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में महिलाओं की 53 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश और छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाने वाली राजनांदगांव निवासी एवं छत्तीसगढ़ पुलिस में सहायक उप निरीक्षक ज्ञानेश्वरी यादव से वीडियो कॉल के माध्यम से आत्मीय बातचीत कर उन्हें इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ज्ञानेश्वरी यादव को रजत पदक जीतने पर पुनः बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता वर्षों की कठिन साधना और निरंतर परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ज्ञानेश्वरी भविष्य में भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत और छत्तीसगढ़ का नाम नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आपसे प्रतियोगिता के लिए रवाना होने से पहले भी मुलाकात हुई थी और आज आपकी सफलता पर पुनः बात करके अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। आपने अपनी मेहनत, अनुशासन और समर्पण से न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश का सम्मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि आपकी उपलब्धि प्रदेश के युवाओं, विशेषकर बेटियों और खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं और हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि प्रदेश की प्रतिभाएं विश्व मंच पर लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें।

ज्ञानेश्वरी यादव ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आत्मीय स्नेह, प्रोत्साहन और शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का आशीर्वाद और प्रदेशवासियों का स्नेह उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

उल्लेखनीय है कि राजनांदगांव निवासी ज्ञानेश्वरी यादव छत्तीसगढ़ पुलिस में सहायक उप निरीक्षक के रूप में सेवाएं दे रही हैं। खेल और सेवा, दोनों क्षेत्रों में उनका समर्पण युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में रजत पदक जीतकर उन्होंने भारत और छत्तीसगढ़ दोनों का मान बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ में पहली बार आयोजित स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव में हुए शामिल

■ खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में राज्य के पदक विजेता खिलाड़ियों को दी प्रोत्साहन राशि

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव के समापन सत्र में शामिल हुए। उन्होंने राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित कॉन्क्लेव में विगत मार्च-अप्रैल में छत्तीसगढ़ में हुए देश के पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में राज्य के लिए पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की। छत्तीसगढ़ में पहली बार इस स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया था, जिसमें विभिन्न सत्रों में देशभर से आए खेल प्रशासकों, नीति निर्माताओं, स्पोर्ट्स साइंटिस्ट्स, नामचीन खिलाड़ियों, विशेषज्ञों और खेल संघों के पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ में खिलाड़ियों के लिए बेहतर सुविधाओं, खेल प्रतिभाओं की खोज, प्रशिक्षण और सुदृढ़ खेल अधोसंरचना के रोडमैप पर दिनभर मंथन किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कहा कि विशेषज्ञों के बीच आज दिनभर हुए गंभीर विचार-विमर्श से राज्य में खेल और खिलाड़ियों की बेहतरी के कार्यों को सार्थक एवं प्रभावी दिशा मिलेगी। राज्य में खेलों के विकास के लिए यह कॉन्क्लेव मील का पत्थर साबित होगा।

रायपुर को 'ग्रीन सिटी' बनाने और युवाओं के लिए रोजगार का संकल्प: बृजमोहन अग्रवाल

■ 57 करोड़ रुपए का रणनीतिक निवेश: छत्तीसगढ़ के ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रमुख ब्रांड्स को गति

नई दिल्ली। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा 'PM इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट' (PM E-DRIVE) योजना को सफलतापूर्वक शुरू करने और इसके लगातार विस्तार के लिए सरकार की सराहना की। भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा 10,900 करोड़ रुपए के बड़े बजट के साथ तैयार की गई यह योजना भारत के स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह योजना आम नागरिकों के यात्रा करने के तरीके को बदल रही है और साथ ही कार्बन उत्सर्जन को भी काफी हद तक कम कर रही है।

अग्रवाल ने 57 करोड़ रुपए की उस महत्वपूर्ण रणनीतिक सब्सिडी पर भी प्रकाश डाला, जिसने हाल ही में छत्तीसगढ़ में इलेक्ट्रिक वाहन इंफ्रास्ट्रक्चर और इसके इस्तेमाल के इकोसिस्टम को नई गति दी है। केंद्र सरकार ने अग्रवाल को बताया कि टाटा मोटर्स, अशोक लीलैंड और ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक जैसी बड़ी कंपनियों ने भारी-भरकम इलेक्ट्रिक बसों और कमर्शियल ट्रकों के लिए इस योजना का लाभ उठाया है, जबकि ओला इलेक्ट्रिक, एथर एनर्जी, टीवीएस मोटर, बजाज ऑटो, हीरो मोटोकॉर्प और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसे टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर ब्रांड्स की बिक्री में अभूतपूर्व बढ़ोतरी देखी गई है।

संत शिरोमणि गुरु रविदास की जयंती पर भाजपा चलाएगी 'समरसता संकल्प अभियान'

■ 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा की संध्या देशभर के सभी मंदिरों में 'समरसता दीप महोत्सव' का भव्य आयोजन होगा

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा है कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी द्वारा दिखाया गया मार्ग ही हमारे 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के संकल्प का मूल आधार है। उनके 650वें जयंती वर्ष पर चलने वाला समरसता संकल्प अभियान सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता और विकसित भारत के निर्माण का व्यापक जनआंदोलन बनेगा।

प्रदेश के कैबिनेट मंत्री श्री वर्मा ने मंगलवार को यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में आहूत पत्रकार वार्ता में बताया कि यह अभियान 29 जुलाई 2026 (आषाढ़ पूर्णिमा) से प्रारंभ होकर 20 फरवरी 2027 (माघ पूर्णिमा) तक पूरे देश में राष्ट्रीय, प्रदेश, जिला, मंडल एवं ग्राम स्तर पर व्यापक जनभागीदारी के साथ संचालित किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य संत गुरु रविदास महाराज के समता, सामाजिक न्याय, मानवता, सेवा, सद्भाव और सामाजिक समरसता के दिव्य संदेश को जन-जन तक पहुँचाना तथा विकसित भारत के निर्माण में समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित करना है। श्री वर्मा ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास केवल किसी एक समाज के संत नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के महान पथप्रदर्शक, भक्ति आंदोलन के महान संत, श्रेष्ठ समाज सुधारक और महान आध्यात्मिक चिंतक हैं, जिन्हें उनके समय के अनेक संतों तथा बाद की पीढ़ियों के संतों ने भी अत्यंत सम्मान दिया। उन्होंने समाज के करोड़ों वंचित एवं उपेक्षित लोगों को सम्मान, आत्मविश्वास और जीवन का उद्देश्य प्रदान किया। ऐसे समय में, जब समाज जातिगत भेदभाव और सामाजिक विषमताओं, धर्मांतरण, मुगलिया अत्याचार से जूझ रहा था, उन्होंने सामाजिक समरसता, समानता और आत्मसम्मान का संदेश देकर करोड़ों लोगों के जीवन में नई चेतना का संचार किया।

अभिषेक बनर्जी को टोका तो लड़ने लगीं महुआ मोइत्रा

■ स्पीकर बोले- चिल्लाओ मत; प्रियंका ने कहा- कैमरे का नहीं, दिल का एंगल बदलिए

नई दिल्ली। लोकसभा में मंगलवार को पेपर लीक से जुड़े 'पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' पर चर्चा जारी है। इस बीच सदन में कई बार ऐसे मोमेंट्स आए जब पक्ष-विपक्ष आमने-सामने आ गए। सांसद अभिषेक बनर्जी बोलने लगे तो सदन में शोर बढ़ गया। इस बीच महुआ मोइत्रा खड़ी हुईं और चेयर से कहा कि इनको बंद कराइए, सरसा होने दीजिए, सरसा (चर्चा)। सरसा (चर्चा) शब्द किरेन रिजिजू और स्पीकर चेयर पर बैठे दिलीप सैकिया इस्तेमाल करते हैं। दोनों का हिंदी उच्चारण थोड़ा अलग है। ऐसा दावा किया जा रहा है कि यह बोलकर महुआ उनका मजाक बना रही थीं। इसके बाद चेयर पर बैठे दिलीप सैकिया ने उन्हें बैठने के लिए कहा और बोले कि चिल्लाओ मत। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने अपनी स्पीच के दौरान नए शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जोशी ने बिलकिस बानो के रेपिस्ट की रिहाई पर अपनी सहमति जताई। प्रियंका ने यह भी कहा कि पीएम मोदी को अपने सलाहकार बदलने चाहिए, नई नई कमेटी बनाने से कुछ नहीं होगा। अभी बनी नई कमेटी में तो एक गोमूत्र विशेषज्ञ भी हैं। इन्हें शिक्षा व्यवस्था के बारे में क्या पता। इस पर सदन में ठहाके लगे।

लोकसभा में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, कौन सी स्थिति बेहतर है वह जिसमें सरकार छात्रों के विरोध को सुनकर संसद में बिल पेश करती है, या वह जिसमें सरकार विरोध को कुचलने के लिए देश भर में इमरजेंसी लगा देती है? केंद्रीय मंत्री के जवाब में समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने कहा, मैंने इमरजेंसी को खुद नहीं देखा, लेकिन जो तब हुआ था, उसकी झलक हमने यहीं देखी है।

सहकारिता क्षेत्र को और मजबूत बनाने पर दें जोर: केदार कश्यप

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने प्रदेश में सहकारिता आंदोलन को नई गति देने और बैंकिंग सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। नवा रायपुर स्थित उनके निवास कार्यालय में आयोजित इस बैठक में छत्तीसगढ़ अपैक्स बैंक एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों के अध्यक्ष व वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए। प्रदेश के किसानों को बेहतर, पारदर्शी और आधुनिक बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। मंत्री कश्यप ने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पूरी पारदर्शिता और समय पर पहुंचाने के सख्त निर्देश दिए। सहकारी बैंकों की कार्यप्रणाली में सुधार लाने के साथ-साथ डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के विस्तार पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ।

रायपुर के मेडिकल स्टोर्स में पुलिस-औषधि विभाग की सरप्राइज चेकिंग

■ 30 से ज्यादा दुकानों की जांच, बिना प्रिस्क्रिप्शन प्रतिबंधित दवा बेचने पर सख्ती

रायपुर (विश्व परिवार)। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस और औषधि विभाग ने मेडिकल स्टोर्स पर सरप्राइज चेकिंग की। इस दौरान प्रतिबंधित और नशे के लिए इस्तेमाल होने वाली दवाओं की बिक्री से जुड़े दस्तावेज और प्रिस्क्रिप्शन की जांच की गई। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सतीश सिंह ने बताया, कि अधिकारियों को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ मेडिकल स्टोर्स पर बिना डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के नियमों के विपरीत ऐसी दवाएं बेची जा रही हैं। जिनका इस्तेमाल नशे के लिए किया जा सकता है। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस और औषधि विभाग ने संयुक्त रूप से मेडिकल स्टोर्स को रडार पर लिया। जांच के दौरान टीम ने दवा बिक्री से संबंधित रिकॉर्ड, बिल, स्टॉक और प्रिस्क्रिप्शन की जानकारी देखी। साथ ही मेडिकल संचालकों को नियमों का पालन करने और बिना वैध प्रिस्क्रिप्शन के प्रतिबंधित दवाएं नहीं बेचने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नशीली दवाओं की अवैध बिक्री या नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित मेडिकल स्टोर संचालक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का फोकस ऐसी दवाओं की अवैध बिक्री पर रोक लगाने के साथ युवाओं को नशे की गिरफ्त में जाने से बचाना है।

पीएम मोदी ने स्काईरूट एयरोस्पेस की उपलब्धियों को सराहा

■ विक्रम-1 मिशन की सफलता पर दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की अग्रणी कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस के सह-संस्थापकों पवन चंदाना और नागा भरत डाका से मुलाकात की। इस दौरान भारत के तेजी से विकसित हो रहे निजी अंतरिक्ष क्षेत्र, नवाचार, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने स्काईरूट एयरोस्पेस की उपलब्धियों की सराहना करते हुए विक्रम-1 मिशन की सफलता पर पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए कहा कि पवन चंदाना और नागा भरत डाका के साथ उनकी बेहद अच्छी बातचीत हुई। उन्होंने बताया कि चर्चा के दौरान कई महत्वपूर्ण और रोचक विषयों पर विचार-विमर्श हुआ, जिसमें स्काईरूट के विक्रम-1 मिशन की सफलता का विशेष उल्लेख भी शामिल रहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्काईरूट एयरोस्पेस की अब तक की यात्रा और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकर उन्हें खुशी हुई। उन्होंने कहा कि कंपनी के संस्थापकों का उत्साह, महत्वाकांक्षा और सकारात्मक दृष्टिकोण भारत के तेजी से विकसित हो रहे निजी अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र की जीवंत भावना को दर्शाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि देश का निजी स्पेस सेक्टर आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर नई पहचान बनाएगा। प्रधानमंत्री ने स्काईरूट एयरोस्पेस की पूरी टीम को विक्रम-1 मिशन की सफलता के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि इस तरह की उपलब्धियां भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी और देश की तकनीकी क्षमताओं को वैश्विक मंच पर मजबूत करेंगी। स्काईरूट एयरोस्पेस ने भी प्रधानमंत्री से मुलाकात को सम्मान की बात बताते हुए एक्स पर एक पोस्ट साझा किया। कंपनी ने कहा कि उसके सह-संस्थापकों को प्रधानमंत्री के साथ स्काईरूट की अब तक की यात्रा, विक्रम-1 मिशन की सफलता और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा करने का अवसर मिला। कंपनी के अनुसार, प्रधानमंत्री के साथ हुई यह मुलाकात भारतीय निजी अंतरिक्ष उद्योग के लिए प्रेरणादायक है। इससे देश में नवाचार, अनुसंधान और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए अवसरों को बढ़ावा मिलेगा तथा निजी कंपनियों की भूमिका और मजबूत होगी।

एयर इंडिया और पर्यटन मंत्रालय ने किए एमओयू पर हस्ताक्षर

■ भारत के पर्यटन को वैश्विक स्तर पर मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली। एयर इंडिया ने पर्यटन मंत्रालय के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य भारत को वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देना और देश को एक महत्वपूर्ण एविएशन एवं ट्रांजिट हब के रूप में मजबूत करना है। सोमवार को एयर इंडिया की ओर से जारी बयान के अनुसार, इस समझौते के तहत पर्यटन प्रचार, ट्रैवल ट्रेड एंगेजमेंट, ट्रांजिट टूरिज्म और यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए दोनों पक्ष मिलकर काम करेंगे। इसके लिए एयर इंडिया के तेजी से बढ़ते वैश्विक नेटवर्क और पर्यटन मंत्रालय के 'इन्क्रेडिबल इंडिया' ब्रांड का उपयोग किया जाएगा, ताकि भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ाई जा सके और देश की वैश्विक पहचान मजबूत हो।

समझौते के तहत एयर इंडिया और पर्यटन मंत्रालय डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया, इन-फ्लाइट ब्रांडिंग और अन्य उपभोक्ता-केंद्रित माध्यमों पर संयुक्त वैश्विक मार्केटिंग अभियान चलाएंगे। साथ ही एयर इंडिया के विभिन्न संपर्क बिंदुओं पर 'इन्क्रेडिबल इंडिया' ब्रांडिंग को भी विस्तार देने की संभावनाओं पर काम किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि इस सहयोग के जरिए दुनिया भर के यात्रियों को भारत की समृद्ध संस्कृति, विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और विविध पर्यटन अनुभवों से परिचित कराया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने 4 लोगों की मौत, 5 घायल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई है। पहला हादसा मनेंद्रगढ़ जिले के खड़गवां ब्लॉक के शिवपुर का है, जहां खेत में काम कर रहे 3 ग्रामीण बिजली की चपेट में आए, हादसे में तीनों की मौत हो गई, जबकि 5 लोग घायल हो गए। घायलों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खड़गवां में इलाज जारी है। वहीं, सूरजपुर जिले के नमदगीरी गांव में किसान विनय देवांगन (35) खेत में काम कर रहे थे, इसी दौरान अचानक बिजली गिरी। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। छत्तीसगढ़ में लगातार बारिश से कई नदी-नाले उफान पर हैं। गरियाबंद जिले के छिन्दोला-आमामोरा मार्ग पर बाढ़ जैसे हालात हैं।

खोलापारा नाले के ऊपर से पानी बह रहा है। इस दौरान एक बाइक सवार ने नाले को पार करने की कोशिश की तो वह गिर गया। वहां मौजूद अन्य लोगों ने उसे बहने से बचाया।

जयश्रीराम नि :शुल्क सैन्य प्रशिक्षण के विद्यार्थीगण हुए नव निर्मित वार मेमोरियल कार्यक्रम में शामिल

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर के जय श्री राम निःशुल्क सैन्य प्रशिक्षण के 55 विद्यार्थीयों के साँथ कारगिल विजय दिवस के अवसर पर बसना में नवनिर्मित वार मेमोरियल के लोकार्पण पर उपस्थित हुए द्य इस अवसर पर जय श्री राम निःशुल्क सैन्य प्रशिक्षण कौशिल्या माता विहार सेक्टर 13 रायपुर के संस्थापक पूर्व सैनिक श्री पन्नालाल सिन्हा ने महासमुंद के सांसद श्रीमती रूप कुमारी चौधरी एवं बसना के विधायक श्री संपत अग्रवाल जी को छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए ज्ञापन सौंपा उस ज्ञापन में यह मांग किया गया था,कि आर्मी, नेवी, एयरफोर्स,सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ एवं पुलिस, तथा वनरक्षक मे भर्ती के लिए छत्तीसगढ़ के युवा - युवतियों को अन्य राज्य की तरह जैसे असम,नागालैंड मिजोरम, मणिपुर नेपाल को ऊचाई मे छूट दिया जाता है, उसी प्रकार से यहाँ के विद्यार्थियों को भी छूट मिले द्य क्योंकि छत्तीसगढ़ के खान पान ऐसा है द्य जिससे लोगों का ऊचाई बढ़ नहीं पता है द्य वैसे भी छत्तीसगढ़ आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है द्य ज्ञापन लेते हुए सांसद महोदया ने पूर्व सैनिक पन्नालाल सिन्हा को विश्वास दिलाया की सांसद मे इस विषय पर बात रखेंगे द्य यह बहुत अच्छी पहल है द्य इसी तरह बसना विधायक ने ज्ञापन को पढ़ कर विधान सभा मे इस विषय को रखने का आश्वासन दिया द्य इस वर्ष कारगिल विजयदिवस पर जय श्री निःशुल्क सैन्य प्रशिक्षण के 55 स्टडेंट्स संस्थापक पूर्व सैनिक पन्नालाल सिन्हा ने बसना पहुंच कर देश भक्ति के लिए देश के शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी द्य कारगिल के वीर योद्धाओ को सैल्यूट किया ।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./33657/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 28-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33657
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652N01217** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NEERAJ SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **TIKESHWAR SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAJAT JAYANTI KINDO** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PHULJENCIUS KINDO** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./33712/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 28-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33712
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652I00435** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MADHUKAR DHURDE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HARIBHAU DHURDE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. नीलेश धुरडे 2. लता धुरडे** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. स्व. मधुकर धुरडे 2.स्व.मधुकर धुरडे** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./33715/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 28-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33715
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652R0051A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KARAN KUMAR SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PURSHOTTAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **GAYATRI BARLE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **AGAMDAS BARLE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./33741/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 28-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33741
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652L00223** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BHARTI SONWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DILESHWAR SONWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **KUNTI SHRIVAS** पिता/पति, श्री/श्रीमती **TARUN KUMAR SHRIVAS** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./33773/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 28-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33773
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652N0294A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHANKAR ISRANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HAIMAL ISRANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **AISHWARYA BALMIKI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GAUTAM BALMIK** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./33656/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 28-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33656
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652R0573J** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MS THAKKAR CONSTRUCTION PROP- PRASHANT JASANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. KANTI LAL JASANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAHUL LAKHWANI AND DIMPLE LAKHWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VASUDEV LAKHWANI AND RAHUL KHAWANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /33808/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 28-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33808
वार्ड का नाम- 21 - शहीद भगत सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 21 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR813E00602** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **R.L. PEDE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **L.N.PEDE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1.JAGMOHAN SONWANI S/O DASRU SONWANI 2. REKHA SONWANI W/O JAGMOHAN SONWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **...** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

समक्षः श्रीमान नोटरी शपथ आयुक्त महोदय सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.)

शपथ पत्र

मैं प्रेमलता पुत्री श्री कमल साय राजवाड़े उम्र - 29 वर्ष, जाति - रजवार, निवासी ग्राम - कृष्णपुर, थाना -सूरजपुर, तहसील - रामानुजनगर, जिला - सुरजपुर (छ.ग.) की निम्नांकित कथन शपथपूर्वक करती हूं कि :- 01. मैं शपथपूर्वक कथन करती हूँ कि मैं उपरोक्त पते की स्थाई निवासी हूँ।

02. मैं शपथपूर्वक कथन करती हू कि मैंने जी.एन.एम. प्रथम वर्ष 27319, द्वितीयवर्ष 37032, तृतीय वर्ष 27319 जन्मतिथि 07/07/1997 पंजीयन क्रमांक XXVI-12898 परीक्षा बी.एम.कॉलेज ऑफ नर्सिंग बिश्रामपुर, से उर्तीण की हूँ। मेरी उपरोक्त तीनों क्लास की अंकसूची, पंजीयन एवं डिप्लोमा जो मुझे उपरोक्त बी.एम. कॉलेज ऑफ नर्सिंग बिश्रामपुर द्वारा प्रदान की गई थी जिसे मेरे द्वारा अपने पास संभालकर रखा गया था जो मेरे घर के पास आज से लगभग 15 दिन पूर्व कहीं गुम हो गई और काफी खोजने के बाद भी नहीं मिल रही है। मुझे उपरोक्त दस्तावेजों की द्वितीयप्रति प्राप्त करना चाहती हूँ, जिस हेतु मैं अपने स्वयं का यह शपथ पत्र निष्पादित कर प्रस्तुत कर रही हूँ। उपरोक्त दस्तावेजों के अभाव में मुझे अनेक प्रकार की पुरेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

हस्ताक्षर सत्यापनकर्ता

मैं प्रेमलता पुत्री श्री कमल साय राजवाड़े उम्र-29 वर्ष, जाति-रजवार, निवासी ग्राम-कृष्णपुर, थाना-सूरजपुर, तहसील-रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.) की सत्यापित करती हूँ कि उक्त शपथ पत्र की कण्डिका क्रमांक 01 से 03 तक वर्णित कथन मेरे निजी जानकारी से सत्य एवं सही है।

प्रेमलता
हस्ताक्षर सत्यपनकर्ता

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./33836/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 28-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33836
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR235E00086** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **AMAR MAHENDRA VIJAY SACHDEVA S/O SATYAVAN SACHDEVA , LAXMI DEVI W/O LATE. SATYAVAN SACHDEV POOJA BAJAJ D/O LATE. SATYAVAN SACHDEV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **...** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **बरत जीत सिंग आनंद** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री भुपिन्देर सिंह आनंद** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./33835/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 28-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33835
वार्ड का नाम-35- हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 35 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR235J00105** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KAILASH DUBEY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KAMTA PRASAD DUBEY** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती जया साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री नारायण लाल साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./33832/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 28-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33832
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR223L00086** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **NOOR BANO** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MOHAMMED RIZVAN MEMAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती हेमलता डागा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री राकेश डागा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./33831/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 28-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33831
वार्ड का नाम-13- राजीव गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 13 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR222A00170** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KABIZ :SHAYRA B** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE MR. SHEIKH FARID** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **जुबैर गनी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री अब्दुल गफ्फार गनी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, मलमा बिक्रीनामा** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./33828/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 28-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33828
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR235C00090** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **AJIT SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHAUDHARIY HEWA SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री राजेश दुग्गड़** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. श्री अभय कुमार दुग्गड़** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./33834/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 28-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33834
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR223O00068** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **PARAMJEET SINGH SALUJA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BHUPENDRA SINGH SALUJA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. श्रीमती मेघपरा निपुर्णा पति - श्री धवल रसिक भाई मेघपरा 2. मेघपरा धवल आर पिता - श्री रसिक भाई मेघपरा** पिता/पति, श्री/श्रीमती ... ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /33341/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 23-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33341
वार्ड का नाम- 08- महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 08 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226101220** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ABHINAV BAURIA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BOMESH BAURIA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **HEMLATA MAHATO** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PRINCE PRAKASH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /33426/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 23-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33426
वार्ड का नाम- 08- महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 08 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226Z0341D** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KU.S. RASHMI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHIV PRAKASH S** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1 UMA VAGHANI 2 MAYANK KUMAR VAGHANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MANOJ VAGHANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /33432/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 23-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33432
वार्ड का नाम- 08- महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 08 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226J01056** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ARVIND KUMAR VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **AWADHRAM VERMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MAYA VARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SANDEEP VARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./33407/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 28-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33407
वार्ड का नाम- 55 - रविन्द्रनाथ टैगौर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652K0199A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MD. TOUFIQUE MEMON** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MD. RAFIQUE MEMON** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती आफताब बेगम** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति शब्बीर मेमन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./33746/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 28-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33746
वार्ड का नाम- 16 वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107H00085** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAM BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **TULARAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **GAYATHRI SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O YASHAVANT SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **01.SHAPAT PATRA 02.DEATH CERTIFICATE 03.SAHMATI PATRA 04. TAX RASID KE AADHAR PAR** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./33747/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 28-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33747
वार्ड का नाम- 17 ठक्कर बापा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR109F00363** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MUNGA BANJARE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SANTU BANJARE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DAMINI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O YOGESH TANDON** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **01.MALMA VIKRAYA IKARARNAMA 02. SHAPAT PATRA 03. TAX RASHID KE AADHAR** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./33807/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 28-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33807
वार्ड का नाम-34-पं. रविशंकर शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 34 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR224A00157** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MD. NASIR KHAN, FIROZ KHAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MD. KHAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **मोहम्मद जिलुऊर** पिता/पति, श्री/श्रीमती **मोहम्मद अहफाजफर रहमान** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./33806/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 28-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33806
वार्ड का नाम-43-ब्राम्हणपारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 43 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR758A00094** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KRISHNA KUMAR SAVITRI TIWARI W/O LATE. BALIRAM, GOPAL, SURESH, NARESH, DEVENDRA TIWARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE RAMLAL TIWARI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **सुनील कंडरा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **होरी लाल कंडरा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कालोनी **टाटीबंध, रायपुर** में निर्मित **एम.आई. जी. प्लाट योजना** में से भवन / भूखण्ड क्र. **एम.आई.जी. प्लाट-892 श्रीमती किरण देवी सरावगी पति स्व. श्री श्याम सुन्दर सरावगी** को स्ववित्तीय / भाड़ाक्रय / एकमुश्त /ऑफर आधार पर आबंटित / नामांतरित किया गया है। उनके द्वारा **दिनांक 31.03.2010** को लीजडीड/सेलडीड/विक्रय विलेख पंजीकृत करा लिया गया है। मूल आबंटी द्वारा उक्त भवन **श्रीमती रिनु बाला पति श्री सत्यवीर सिंह** के पक्ष में **दिनांक 25.03.2026** को विक्रय कर दिया।

तद्रुपरांत क्रेता द्वारा उक्त भवन / भूखण्ड अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति, सहमति पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन / भूखण्ड क्रेता **श्रीमती रिनु बाला पति श्री सत्यवीर सिंह** के नाम पर नामांतरण किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय / अर्द्धशासकीय / वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के नामांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर स्वतः उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी, एवं भवन का नामांतरण आदेश जारी कर दिया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /33757/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 28-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33757
वार्ड का नाम- 20 - रामकृष्ण परमहंस वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 20 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR812A00162** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KUSUM LATA DEVANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VIMAL KUMAR DEVANGAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MADHURI PRAVEEN GAIKWAD** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PRAVEEN GAIKWAD** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

सूरजपुर

रायपुर, मंगलवार 28 जुलाई 2026

गौ माता को राष्ट्रीय माता का सम्मान के लिए देशभर के सभी जिलों से सरकार को सौंपे गए 15 करोड़ से अधिक हस्ताक्षरयुक्त प्रार्थना-पत्र

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- गोहत्या-निषेध हेतु केंद्रीय कानून, गोमाता को राष्ट्रमाता का सम्मान, केंद्रीय गो मंत्रालय की स्थापना सहित 30 से अधिक प्रमुख मांगें सरकार के समक्ष रखीं गईगोमाता की सेवा, सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से संचालित गो सम्मान आह्वान अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत आज जनपद सहित देशभर के सभी जिलों में संबंधित जिलाधिकारी महोदय /महोदया के माध्यम से भारत के महामहिम राष्ट्रपति, माननीय प्रधानमंत्री, संबंधित राज्य के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम हस्ताक्षरयुक्त प्रार्थना-पत्र एवं ज्ञापन सौंपे गए।

ज्ञातव्य है कि पिछले लगभग छह माह से देशभर के संतों, गौसेवकों एवं गोभक्तों के नेतृत्व में गो सम्मान आह्वान अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से सम्पूर्ण भारत में गोहत्या-निषेध हेतु केंद्रीय कानून, गोमाता को राष्ट्रमाता का सम्मान, गोचर भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराना, केंद्रीय गो मंत्रालय की स्थापना, केंद्रीय गो-चारा नीति का निर्माण तथा कृषि, चिकित्सा, पर्यावरण, शिक्षा एवं मानव जीवन से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों को गो-केंद्रित राष्ट्रीय नीति का हिस्सा बनाने सहित 30 से अधिक प्रमुख मांगें सरकार के समक्ष रखी गई हैं। इन मांगों के समर्थन में देशभर में व्यापक जनजागरण एवं हस्ताक्षर अभियान चलाया गया।

अभियान के प्रथम चरण में 27 अप्रैल 2026 को देश की लगभग 5,000 तहसीलों के माध्यम से 5 करोड़ से अधिक नागरिकों के हस्ताक्षरों सहित प्रार्थना-पत्र राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, संबंधित राज्यों के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्रियों को सौंपे गए थे। इन मांगों पर अपेक्षित निर्णय न होने के कारण अभियान के द्वितीय चरण में आज पुन: देशभर के सभी जिलों से 15 करोड़ से अधिक नागरिकों के हस्ताक्षरों सहित अनुस्मारक (रिमाइंडर) प्रार्थना-पत्र सरकार को प्रेषित किए गए। जिला सूरजपुर की ओर से भी लगभग 1,83,578 नागरिकों के हस्ताक्षर 7215 पन्नो का संग्रहित डाटा पेनड्राइव सहित प्रार्थना-पत्र संबंधित जिलाधिकारी महोदया के माध्यम से भारत सरकार को प्रेषित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ निर्धारित शुभ मुहूर्त में गोमाता के पूजन, शंखनाद एवं श्री राम जय राम जय जय राम विजय मंत्र के सामूहिक जप के साथ हुआ। इसके उपरांत गोभक्तों ने झंडे, बैनर, अभियान संदेशों वाले प्लेकार्ड एवं भजन-कीर्तन के साथ शांतिपूर्ण एवं अनुशासित प्रार्थना-यात्रा निकालते हुए जिलाधिकारी कार्यालय तक पहुँचे।

प्रार्थना-यात्रा रंगमंच मैदान से कलेक्ट्रेट तक रही, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण-बलराम के स्वरूप, गोमाता की झांकी मनमोहक एवं अद्भुत स्वरूप में दिखाई दी। तत्पश्चात संत-महात्माओं, विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा गणमान्य नागरिकों के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी महोदया को ज्ञापन एवं हस्ताक्षरयुक्त प्रार्थना-पत्र सौंपा।

इस अवसर पर अभियान के प्रतिनिधियों ने कहा कि गोमाता केवल धार्मिक आस्था का विषय ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, कृषि, पर्यावरण, ग्राम्य अर्थव्यवस्था एवं जनकल्याण का भी महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने सरकार से गोमाता की सेवा, सुरक्षा एवं सम्मान से संबंधित सभी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया। साथ ही कहा कि यह अभियान पूर्णत: शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से संचालित किया जा रहा है तथा जनभावनाओं के अनुरूप निर्णय होने तक चरणबद्ध रूप से आगे भी जारी रहेगा।

इस अवसर पर जिले के संत-महात्मा, विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि, मातृशक्ति, युवा, किसान, व्यापारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में गोभक्त उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

'रंग बना रहे' : बर्जर पेंट्स ने हमारे भीतर के रंगों का जश्न मनाते हुए एक नया कैंपेन शुरू किया

देश की दूसरी सबसे बड़ी पेंट कंपनी, बर्जर पेंट्स इंडिया लिमिटेड ने एक बेहद खास सोच पर आधारित अपनी नई ब्रांड पहचान का अनावरण किया है: ज़िंदगी चाहे हमारी कितनी भी परीक्षा क्यों न ले ले, वह हमारे रंगों को कभी छीन नहीं सकती। रंग बना रहे विचार के ज़रिए सामने लाया गया यह नया कैंपेन बर्जर पेंट्स के रंगों को सुरक्षित रखने के पुराने वादे को मानवीय दृष्टिकोण से फिर से पेश करता है। पेंट उद्योग में, जहाँ अक्सर सभी ब्रांड एक जैसे दिखते रहे हैं और रंगों को केवल बाहरी अभिव्यक्ति के रूप में देखा गया है, वहीं बर्जर अपनी विशिष्ट पहचान और बिल्कुल अलग विज़ुअल ट्रीटमेंट के साथ एक नया नज़रिया पेश करता है। दशकों से बर्जर ने अपने बेहतरीन उत्पादों के ज़रिए रंगों की सुरक्षा की है। इसका होमशील्ड दीवारों को बारिश से बचाता है, वेदरकोट एंटी डस्ट धूल-मिट्टी को दूर रखता है, वहीं ईज़ी क्लीन रोज़मर्रा के दाग-धब्बों का सामना करता है। इसी प्रतिबद्धता ने कंपनी के उत्पादों, उसके नवाचारों और करोड़ों घरों में उसकी जगह को आकार दिया है। रंग बना रहे के साथ बर्जर रंगों को सुरक्षित रखने के अपने इस अटूट वादे को दीवारों से आगे बढ़ाकर लोगों के जीवन तक ले जाता है। रंग बना रहे सिर्फ पेंट्स के बारे में नहीं है, बल्कि यह जिंदगी को देखने का एक नज़रिया भी है। जिस तरह बर्जर पेंट हर मौसम में रंगों को बरकरार रखता है, उसी तरह यह कैंपेन विपरीत परिस्थितियों में भी अपनी व्यक्तिगत पहचान, उत्साह और आंतरिक रंगों को बचाए रखने के जज्बे का जश्न मनाता है। कैंपेन की शुरुआत खुशरंगी को दर्शाने वाली एक फिल्म से होती है, जिसके रंग कभी फीके नहीं पड़ते, चाहे बात शाब्दिक हो या लाक्षणिक। बारिश, धूल या गर्मी का उस पर कोई असर नहीं होता, ठीक उसी तरह जैसे ज़िंदगी के हर मोड़ पर उसका उत्साह अडिग रहता है। जैसे-जैसे उसका दिन आगे बढ़ता है, यह फिल्म मानवीय जीवटता की ताकत को उजागर करती है। यह हमें याद दिलाती है कि सच्ची ताकत जीवन की चुनौतियों से बचने में नहीं है, बल्कि उनके बावजूद खुद को खास बनाने वाली चीज़ों को बचाए रखने में है।

हिमालया बेबीकेयर ने 'हॅप्पी टिअर्स फॉर मॉम, नो टिअर्स फॉर बेबी,' संदेश के साथ जेंटल बेबी शैम्पू पर नया डीवीसी लॉन्च किया

रायपुर । भारत के सबसे विश्वसनीय बेबीकेयर ब्रांड्स में से एक हिमालया बेबीकेयर, जिसे शिशुओं का प्यार और अभिभावकों का भरोसा प्राप्त है, ने हिमालया जेंटल बेबी शैम्पू के लिए अपना नया कैंपेन लॉन्च किया है।

एक भावनात्मक और सहज इनसाइट पर आधारित यह फ़िल्म एक माँ के उस वादे को खूबसूरती से दिखाती है जिसमें वह अपने शिशु के नहाने के समय को खुशनुमा और आंसू रहित बनाने का भरोसा देती है। डिजिटल फ़िल्म की शुरुआत एक पुरानी याद के साथ होती है, जिसमें एक मां अपने बचपन के नहाने के अनुभवों को याद करती है। वह बताती है कि उस समय कठोर फॉर्मूलेशन वाले उत्पादों के कारण अक्सर आंखों में जलन और आंसू आ जाते थे। उस अनुभव से अलग, वह अपने शिशु को भरोसा दिलाती है कि उसके लिए नहाने का समय हमेशा सुखद और आरामदायक रहेगा। यह भावनात्मक कहानी गहन वैज्ञानिक अनुसंधान पर आधारित सौम्य और सुरक्षित बेबीकेयर के प्रति हिमालया की प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करती है।इस कैंपेन के केंद्र में हिमालया जेंटल बेबी शैम्पू का 'नो टीयर्स' फॉर्मूला है, जिसे इस तरह तैयार किया गया है कि शिशु का नहाने का अनुभव आंखों में जलन के बिना, आरामदायक और सुकूनभरा बने। चावल, गुड़हल, चने और खस (वेटिवर) के गुणों से युक्त यह शैम्पू शिशु की नाजुक स्कैल्प को पोषण देने के साथ-साथ बालों को मुलायम, रेशमी और प्राकृतिक रूप से चमकदार बनाए रखने में मदद करता है। इसका 5.5 श्च॥ बैलेंस स्कैल्प की सेहत को बनाए रखने में सहायक है, जिससे यह जन्म के पहले दिन से ही रोजमर्रा के उपयोग के लिए उपयुक्त है।

इस लॉन्च के अवसर पर चक्रवर्ती एन. वी., डायरेक्टर ङ्क बेबीकेयर, हिमालया वेलनेस कंपनी, ने कहा, हिमालया बेबीकेयर में हम समझते हैं कि नहलाने का समय माता-पिता और शिशु के बीच आपसी जुड़ाव का एक अहम पल होता है। हालांकि, कई अभिभावकों के लिए शिशु की असहजता और आंसुओं की आशंका इस खूबसूरत और भावनात्मक अनुभव को प्रभावित कर देती है। हमारे जेंटल बेबी शैम्पू और इसके 'नो टीयर्स' फॉर्मूलेशन के माध्यम से हमारा उद्देश्य नहाने के समय को एक खुशनुमा और सुकूनभरी दिनचर्या में बदलना है, जिसका माता-पिता भी आनंद ले सकें। साथ ही यह उत्पाद माताओं को अपने शिशु के लिए आंसू रहित और खुशहाल नहाने का वादा निभाने में मदद करता है। हिमालया जेंटल बेबी शैम्पू क्लिनिकली टेस्टेड और डर्मेटोलॉजिकली इवैल्यूएटेड है। इसे सावधानीपूर्वक चुने गए प्राकृतिक अवयवों के साथ तैयार किया गया है, ताकि शिशुओं को सुरक्षित और प्रभावी देखभाल मिल सके। इसमें पैराबेन्स, फ्थैलेट्स और सिंथेटिक कलर जैसे हानिकारक रसायनों का इस्तेमाल नहीं किया गया है। इसे इस तरह विकसित किया गया है कि यह शिशु के स्कैल्प और बालों की कोमलता बनाए रखते हुए उनकी सौम्य सफाई में मदद करे।

संयुक्त जिला कार्यालय में हर सोमवार को मोबाइल में मेडिकल यूनिट द्वारा मिल रही नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से जिले के नागरिकों को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण एवं नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशानुसार अब प्रत्येक सोमवार संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में कलेक्टर जनदर्शन व अन्य कार्य के लिए कलेक्ट्रेट पहुंचने वाले आमजन को मोबाइल मेडिकल यूनिट की नियमित सेवाएं प्रदान की जा रही हैं, इस सुविधा की शुरुआत से दूर-दराज से अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए आने वाले नागरिकों को तत्काल स्वास्थ्य सुविधा का लाभ मिल रहा है।

सोमवार को आयोजित शिविर में 15 से अधिक नागरिकों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया तथा आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं नि:शुल्क दवाएं प्राप्त कीं। शिविर में मौसमी बीमारियों, सर्दी-खांसी, उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह सहित अन्य सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं से संबंधित मरीजों का परीक्षण किया गया।

मोबाइल मेडिकल यूनिट में चिकित्सक, स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन एवं समन्वयक द्वारा सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। यहां 41 प्रकार की स्वास्थ्य जांच, ईसीजी की सुविधा तथा विभिन्न बीमारियों के उपचार के लिए लगभग 100 प्रकार की दवाएं नि:शुल्क उपलब्ध हैं। साथ ही नागरिक मोबाइल ऐप के माध्यम से अपॉइंटमेंट बुक करने एवं वाहन की वर्तमान लोकेशन की जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं।

करकोटी (भैयाथान) से पहुंची सिस्टर मंजू तिर्की ने पैर दर्द एवं सर्दी-खांसी की जांच कराकर उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की सराहना की। वहीं गर्भवती मंजू साहू को चिकित्सकों द्वारा आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श प्रदान किया गया। मोबाइल मेडिकल यूनिट के चिकित्सक डॉ. प्रफुल्ल टांडेश्वर ने बताया कि प्रत्येक सोमवार संयुक्त जिला कार्यालय में आने वाले नागरिकों को नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, परामर्श एवं दवाओं की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने जिलेवासियों से इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक नागरिक तक समय पर सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

डीपीआई के संलग्नीकरण निरस्तीकरण का असर: स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय बिश्रामपुर में व्यवस्था चरमराई

बिश्रामपुर। प्रदेश में संलग्नीकरण (अटैचमेंट) निरस्त किए जाने के निर्णय का असर अब विद्यालयों की दैनिक व्यवस्थाओं पर भी स्पष्ट दिखाई देने लगा है। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय, बिश्रामपुर में भृत्य (चतुर्थ श्रेणी) कर्मचारियों के भारी अभाव के कारण स्कूल संचालन प्रभावित हो रहा है।

जानकारी के अनुसार विद्यालय में भृत्य के कुल 5 स्वीकृत पद हैं। इनमें 1 भृत्य मातृत्व अवकाश पर हैं, जबकि 4 पद लंबे समय से रिक्त हैं। विद्यालय में कार्य सुचारु रूप से चलाने के लिए एक भृत्य को संलग्न किया गया था, लेकिन जिला शिक्षा अधिकारी, सूरजपुर के आदेश के बाद उन्हें भी उनके मूल विद्यालय वापस भेज दिया गया। इसके बाद विद्यालय पूरी तरह भृत्य विहीन हो गया है।

स्थिति यह है कि विद्यालय में सुबह ताला खोलने और छुट्टी के बाद ताला बंद करने तक के लिए कोई कर्मचारी उपलब्ध नहीं है। परिसर एवं कक्षाओं की नियमित साफ-सफाई, शौचालयों की स्वच्छता, कार्यालयीन कार्यों में सहयोग तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी गंभीर रूप से प्रभावित हो रही हैं। इसका सीधा असर विद्यार्थियों और शिक्षकों दोनों पर पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों और पालकों का कहना है कि जब शासन द्वारा विद्यालय को उत्कृष्ट विद्यालय का दर्जा दिया गया है, तब न्यूनतम आवश्यक कर्मचारियों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। केवल नाम से उत्कृष्ट विद्यालय बना देने से गुणवत्तापूर्ण व्यवस्था नहीं बनती।

विद्यालय से जुड़े अभिभावक ने मांग की है कि रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति की जाए अथवा वैकल्पिक व्यवस्था होने तक आवश्यक कर्मचारियों की तैनाती की जाए, ताकि विद्यालय की मूलभूत व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित हो सकें और विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक में दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के आयोजन की तैयारियों को लेकर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की अध्यक्षता में आयोजित समय-सीमा की बैठक में आवश्यक चर्चा की गई। बैठक में तैयारी के दृष्टिकोण से जिला स्तरीय अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय के पूर्व ही सभी तैयारियां पूर्ण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आयोजन से जुड़े सभी कार्य अंतिम समय पर लंबित न रहें, इसके लिए संबंधित विभाग समय रहते अपनी जिम्मेदारियां पूर्ण करें।

कलेक्टर श्रीमती जमील ने वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए आयोजन स्थल पर पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने की बात कही, जिससे बारिश की स्थिति में भी कार्यक्रम सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इस दिशा में सतर्क रहते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं समय पूर्व सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

समय-सीमा की बैठक में स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान टीकाकरण अभियान की प्रगति, आयुष्मान कार्ड एवं वय वंदन कार्ड बनाने के कार्य तथा विभिन्न स्थानों पर आयोजित शिविरों की स्थिति की जानकारी ली गई। बरसात के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए संभावित बीमारियों से निपटने हेतु संबंधित दवाइयों के पर्याप्त स्टॉक की उपलब्धता सुनिश्चित करने के आवश्यक दिशा-निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिए गए।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री रमेश मोर, सर्व एसडीएम व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे

चार लेबर कोड बिल पर एटक का कार्यशाला एवं महिला सम्मेलन

विश्रामपुर में महिला सम्मेलन का ऐतिहासिक आयोजनः 4 लेबर कोड बिल और कार्यस्थल पर सुरक्षा अधिकारों को लेकर महिला कर्मचारी हुईं जागरूक

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- विश्रामपुरः संयुक्त कोयला मजदूर संघ (एटक) के क्षेत्रीय कार्यालय में आज विश्रामपुर क्षेत्र में कार्यरत महिला कर्मचारियों का एक विशाल एवं अत्यंत महत्वपूर्ण सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र की महिला साथियों ने भारी संख्या में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और संगठन की मजबूती का संकल्प उठाया। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य महिला संगठन का सशक्तिकरण करना, कार्यक्षेत्र में महिला साथियों को आने वाली रोजमर्रा की कठिनाइयों व चुनौतियों से जूझने के व्यावहारिक तरीके सिखाना तथा नए 4 लेबर कोड बिल के लागू होने के पश्चात महिलाओं के प्रति कानून में आए बड़े बदलावों और अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम की शुरुआत श्री व्ही. सी. जैन के स्वागत भाषण के साथ हुई, जिसमें उन्होंने सभी आगत अतिथियों और महिला साथियों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कामरेड राजेश शर्मा (केंद्रीय उप महासचिव एवं कंपनी वेलफेयर बोर्ड मेंबर) उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कामरेड हीरालाल द्वारा की गई तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ महिला पदाधिकारी श्रीमती भारती सिंह मंच पर उपस्थित रहीं। मंच का कुशल संचालन श्रीमती रूबी मिश्रा द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि कामरेड राजेश शर्मा ने महिला कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की असली ताकत हमारी महिला साथी हैं। उन्होंने नए 4 लेबर कोड बिल के बाद महिलाओं को मिलने वाले कानूनी अधिकारों, सुरक्षा मानकों और कार्यस्थल पर उनकी अनिवार्य सहूलियतों पर विस्तार से प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि श्रीमती भारती सिंह ने कार्यस्थल पर महिलाओं को आने वाली मानसिक व शारीरिक बाधाओं पर बात की और उनसे निपटने के लिए पॉश एक्ट व अन्य कानूनी सुरक्षा उपायों की जानकारी दी। उन्होंने साफ किया कि अब नए नियमों के तहत नाइट शिफ्ट में महिलाओं की सुरक्षा, परिवहन व्यवस्था, बुनियादी सुविधाएं और खदानों में महिलाओं की सुरक्षा व न्यूनतम उपस्थिति को लेकर प्रबंधन को हर हाल में कड़े नियमों का पालन करना होगा। कार्यक्रम में अन्य वक्ताओं के रूप में श्रीमती जया कुमारी एवं श्रीमती रंजीत कौर ने भी अपने ओजस्वी विचारों से सभी आगंतुकों को बेहद प्रभावित किया और महिलाओं को एकजुट रहने का आह्वान किया।

अध्यक्षता कर रहे कामरेड हीरालाल ने सम्मेलन की ऐतिहासिक सफलता पर सभी को बधाई दी। उन्होंने सभी उपस्थित महिला साथियों को विश्वास दिलाया कि संगठन हर महिला कर्मचारी की गरिमा और हक की लड़ाई में हमेशा एक चट्टान की तरह खड़ा रहेगा। इसके पश्चात उन्होंने कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

विश्रामपुर क्षेत्र की महिलाओं की इस अनुशासित और ऊर्जावान उपस्थिति ने यह साबित कर दिया है कि आने वाले समय में संगठन के नेतृत्व और निर्णयों में महिलाओं की भूमिका सबसे अहम होने जा रही है। कार्यक्रम के अंत में कामरेड सजल मित्रा ने सभी पदाधिकारियों एवं उपस्थित महिला साथियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, बुधवार 29 जुलाई 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

बहस से ज्यादा अपेक्षा टकराव

विचारधारा, नीति, कार्यक्रम, चुनाव घोषणापत्र आदि का आज क्या औचित्य रह गया है? अगर ये राजनीति के प्रेरक तत्व ना रहें, तो फिर पहलवानी के अखाड़े और संसद के बीच क्या फर्क रह जाएगा? मानसून सत्र की शुरुआत के साथ संसद का नज़ारा कुछ बदला नजर आएगा। यह संभवत: पहला मौका है, जब बिना चुनाव हुए सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के संख्या बल में गुणात्मक बदलाव हुआ दिखेगा। बजट सत्र के बाद तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव) बड़ी टूट-फूट हो चुकी है, जबकि एनसीपी (शरद पवार गुट) के रुख में बदलाव के संकेत मिले हैं। इससे बिना नया जनादेश आए ही सत्ताधारी एनडीए मजबूत हो गया है। इस हद तक कि अभी दो महीने पहले लोकसभा सीटों के परिसीमन के मकसद से लाया गया जो विधेयक गिर गया था, सत्ता पक्ष उसे फिर से लाने की तैयारी में दिखा है। इसी तरह विवादास्पद विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक-2025 और गिरफ्तारी होने पर 30 दिन के अंदर मुख्यमंत्री/ मंत्री पद खत्म करने का प्रावधान करने वाले विधेयक को भी लाने की चर्चा थी (जिसका इरादा शायद टाल दिया है)। पिछले सत्र तक इन विधेयकों के पारित होने की संभावना बेहद कमजोर थी। अभी भी इनके लिए सरकार संख्या बल का पूरा इंतजाम नहीं कर पाई है, लेकिन कुछ और जोड़-तोड़ में कामयाब रही, तो इनके पारित होने की संभावना बन सकती है। मगर यही समस्या है। वह संभावना 2024 में आए जनादेश की भावना के विपरीत होगी। मुद्दा है कि दांव-पेच से जनादेश की भावना को इस तरह धता बताने का चलन आम हो जाता है, तो फिर विचारधारा, नीति, कार्यक्रम, चुनाव घोषणापत्र आदि का क्या औचित्य रह जाएगा? ये राजनीति के प्रेरक तत्व ना रहें, तो फिर पहलवानी के अखाड़े में होने वाली जोर-आजमाईश और संसदीय प्रक्रियाओं के बीच क्या फर्क रहेगा? क्या उसके बाद भी संसद को बहस के जरिए अधिकतम संभव सहमति निर्माण का मंच माना जा सकेगा? दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत में इन प्रश्नों के उत्तर लगातार नकारात्मक होते गए हैँ। संसद शोर, हंगामे, वॉकआउट, बहिष्कार, और कई बार तो शारीरिक बल के जरिए झड़पों का स्थल बनती चली गई है। नतीजतन, अधिवेशनों से पहले गंभीर बहस से ज्यादा अपेक्षा टकराव और तू तू-मैं- मैं की रहने लगी है। मानसून सत्र के पहले भी राजनीतिक क्षितिज पर यही माहौल हावी नजर आया है।

संसद का मानसून सत्रः हंगामे नहीं, समाधान का संकल्प बने

ललित गर्ग

इस बार विपक्ष के पास अनेक ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर वह सरकार को घेरने की तैयारी में है। प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, शिक्षा व्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी, विदेश नीति, सीमा सुरक्षा, धार्मिक स्थलों से जुड़े विवाद, मन्दिरों में चोरी, कर व्यवस्था और चुनावी प्रक्रिया जैसे विषय निश्चित रूप से राष्ट्रीय महत्व के हैं। भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा बल उसकी संसद है। यही वह मंच है जहां देश की आकांक्षाएं, समस्याएं और भविष्य की दिशा तय होती है। संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श, जवाबदेही और जनभावनाओं की अभिव्यक्ति का सर्वोच्च मंच है। ऐसे में 20 जुलाई से प्रारंभ हो रहा संसद का मानसून सत्र केवल एक संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र की परिपक्वता की नई परीक्षा भी है। देश की जनता की अपेक्षा है कि यह सत्र शोर-शराबे, आरोप-प्रत्यारोप और गतिरोध का नहीं, बल्कि सार्थक संवाद, गंभीर बहस और ठोस निर्णयों का सत्र बने। दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में संसद के दृश्य लोकतांत्रिक गरिमा की अपेक्षा राजनीतिक टकराव के प्रतीक अधिक दिखाई दिए हैं। सदन में नीति और नीयत पर चर्चा कम तथा नारे, तख्तियां, वेल में प्रदर्शन और कार्यवाही बाधित करने की प्रवृत्ति अधिक दिखाई देती रही है। संसद का प्रत्येक मिनट जनता के कर से चलता है, इसलिए उसका अनुत्पादक होना केवल संसदीय विफलता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संसाधनों का भी दुरुपयोग है। संसद का उद्देश्य सरकार को घेरना अवश्य है, लेकिन केवल हंगामा खड़ा करना नहीं; उसी प्रकार सरकार का दायित्व केवल बहुमत के बल पर निर्णय लेना नहीं, बल्कि विपक्ष की बात सुनना और संवाद के लिए वातावरण बनाना भी है। इस बार विपक्ष के पास अनेक ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर वह सरकार को घेरने की तैयारी में है। प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, शिक्षा व्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी, विदेश नीति, सीमा सुरक्षा, धार्मिक स्थलों से जुड़े विवाद, मन्दिरों में चोरी, कर व्यवस्था और चुनावी प्रक्रिया जैसे विषय निश्चित रूप से राष्ट्रीय महत्व के हैं। इन पर संसद में गंभीर चर्चा होना लोकतंत्र की आवश्यकता भी है और जनता का अधिकार भी। लेकिन यदि ये विषय केवल राजनीतिक नारेबाजी का माध्यम बनकर रह जाएं, तो उनका उद्देश्य समाप्त हो जाएगा। संसद में उठाया गया प्रत्येक मुद्दा

समाधान की दिशा में बढ़े, यही लोकतांत्रिक परिपक्वता का प्रमाण होगा। विपक्ष लोकतंत्र का अनिवार्य स्तंभ है। उसका दायित्व केवल सरकार का विरोध करना नहीं, बल्कि सरकार को बेहतर निर्णय लेने के लिए प्रेरित करना भी है। स्वस्थ लोकतंत्र में विपक्ष सरकार की आंख और कान दोनों होता है। यदि वह केवल विरोध की राजनीति तक सीमित हो जाए, तो उसकी विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है। दूसरी ओर सरकार भी यदि विपक्ष के प्रत्येक प्रश्न को राजनीतिक षड्यंत्र मानकर संवाद से बचती है, तो लोकतंत्र का संतुलन कमजोर पड़ता है। इसलिए सत्ता और विपक्ष, दोनों को अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करना होगा। मानसून सत्र में यदि शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा होती है तो उसका केंद्र छात्रों का भविष्य होना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक लाभ। यदि महंगाई पर बहस हो तो उसका उद्देश्य आम नागरिक को राहत देने वाली नीतियों पर विचार होना चाहिए। यदि राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति अथवा सीमा संबंधी विषय उठते हैं तो उनमें दलगत राजनीति के बजाय राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होना चाहिए। संसद की बहस तब सार्थक कही जाएगी, जब उससे नीति निर्माण की दिशा निकले और जनता को यह विश्वास हो कि उसकी समस्याओं पर गंभीरता से विचार हो रहा है। लोकतंत्र में बहस और असहमति कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। किंतु जब असहमति का स्थान अवरोध ले लेता है और बहस की जगह बहिष्कार आ जाता है, तब लोकतंत्र की आत्मा आहत होती है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि संसद को चलाना ही लोकतंत्र की वास्तविक कसौटी है। यह विचार आज पहले से अधिक प्रासंगिक है। संसद का ठप होना किसी एक दल की नहीं, बल्कि पूरे लोकतंत्र की हार है। विजुअलआर्ट और डिज़ाइन इस समय देश अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। युवाओं को रोजगार चाहिए, किसानों को बेहतर आय की अपेक्षा है, मध्यम वर्ग महंगाई से परेशान है, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की जरूरत है तथा वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बीच भारत को अपनी विकास गति बनाए रखनी है। ऐसे समय संसद से जनता समाधान चाहती है, संघर्ष नहीं। यदि पूरा सत्र केवल राजनीतिक टकराव में बीत गया तो सबसे बड़ा नुकसान आम नागरिक का होगा, जिसकी आवाज संसद तक पहुंचनी चाहिए। संसद की गरिमा केवल अध्यक्ष की कुर्सी या ऐतिहासिक भवन से नहीं बनती, बल्कि वहां बैठने वाले जनप्रतिनिधियों के आचरण से बनती है। सांसदों को यह स्मरण रखना चाहिए कि वे केवल अपने दल के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि देश की जनता के प्रतिनिधि हैं। संसद में उनका प्रत्येक शब्द और प्रत्येक व्यवहार लोकतांत्रिक संस्कृति का हिस्सा बनता है। इसलिए व्यक्तिगत आरोपों और कटुता के स्थान पर तथ्यों, तर्कों और नीति आधारित विमर्श को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। भारतीय जनता पार्टी का यह दावा रहा है कि वह विकास, सुशासन और नीति आधारित राजनीति में विश्वास रखती है। यदि ऐसा है तो उसे विपक्ष द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण प्रश्नों का तथ्यात्मक उत्तर देने में संकोच नहीं होना चाहिए। वहीं विपक्ष को भी यह समझना होगा कि केवल नारे लगाने अथवा कार्यवाही बाधित करने से जनता का विश्वास नहीं जीता जा सकता। उसे वैकल्पिक नीतियां, ठोस सुझाव और रचनात्मक आलोचना प्रस्तुत करनी होगी। लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष दोनों की सफलता संसद की सफलता से जुड़ी होती है। आज सूचना क्रांति के युग में जनता सब कुछ देख और समझ रही है। संसद में कौन बहस कर रहा है, कौन केवल राजनीतिक प्रदर्शन कर रहा है और कौन जनहित के प्रश्न उठा रहा है, इसका मूल्यांकन मतदाता स्वयं करता है। इसलिए अब केवल प्रतीकात्मक राजनीति से काम नहीं चलेगा। जनप्रतिनिधियों को अपने दायित्वों का निर्वहन अधिक गंभीरता, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ करना होगा। दार्शनिक एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा था कि संसद राष्ट्र के विवेक की आवाज होती है। यदि यही विवेक शोर में दब जाए तो लोकतंत्र का मार्ग भी धुंधला पड़ जाता है। इसलिए मानसून सत्र को ऐसे अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए, जहां सत्ता और विपक्ष मिलकर यह संदेश दें कि लोकतंत्र की असली शक्ति संवाद, सहमति और सार्थक बहस में निहित है। किसी भी आदर्श एवं मजबूत लोकतंत्र की अपेक्षा है विपक्ष का समक्ष एवं सकारात्मक सक्रिय होना। क्योंकि विपक्ष लोकतंत्र की आंख है। लेकिन जब यह आंख केवल अंधविरोध में अंधी हो जाए, तो लोकतंत्र की दृष्टि धुंधली हो जाती है। जनता का दबाव ही विपक्ष को सद्बुद्धि दे सकता है। जब जनता यह स्पष्ट रूप से जताए कि उसे रचनात्मक, नीति आधारित विपक्ष चाहिए न कि नारेबाज नेता, तब विपक्ष को भी सुधरना पड़ेगा। विपक्ष को आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या वह जनता की लड़ाई लड़ रहा है या केवल सत्तालोलुपता की राजनीति कर रहा है? मीडिया को चाहिए कि वह हंगामे को महिमामंडित करने के बजाय, नीति और तर्क आधारित बहस को आगे बढ़ाए। संसद में विवाद होना लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन वही विवाद अगर दिशा विहीन हो जाए, तो वह कमजोरी बन जाता है। आज जरूरत है कि संसद की गरिमा को पुनर्स्थापित किया जाए, विपक्ष अपनी भूमिका को गंभीरता से निभाए और सरकार भी अहंकार छोड़कर संवाद को अवसर दे। संसद यदि सचमुच लोक का मंदिर है, तो वहाँ केवल सत्ता की पूजा नहीं, लोकमंगल की बात होनी चाहिए, यही मानसून सत्र से बड़ी अपेक्षा है। इस सत्र में संसद का समय नीति निर्माण में ही लगे, वहां कार्यवाही स्थगित न हो।

आलेख

ज्ञान, बुद्धि और विवेक जीवन की सबसे बड़ी संपत्तिज्ञान की नदी,बुद्धि का प्रवाह और विवेक का सागर

तेजबहादुर सिंह भुवाल

आज दुनिया अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। विज्ञान, तकनीक और संचार के क्षेत्र में हो रहे तेज़ विकास ने मनुष्य के जीवन को सुविधाजनक बना दिया है। एक क्लिक पर अनगिनत जानकारियाँ उपलब्ध हैं, लेकिन क्या केवल जानकारी का होना ही मनुष्य को महान बना देता है? इसका उत्तर स्पष्ट है—नहीं। जीवन को सार्थक बनाने के लिए ज्ञान के साथ बुद्धि और विवेक का होना अनिवार्य है। यही तीनों गुण व्यक्ति के चरित्र, व्यक्तित्व और भविष्य की वास्तविक पहचान बनते हैं। ज्ञान वह प्रकाश है जो जीवन के अंधकार को दूर करता है। यह हमें शिक्षा, अनुभव, अध्ययन, प्रकृति और समाज से प्राप्त होता है। ज्ञान मनुष्य को जागरूक बनाता है, उसकी सोच का विस्तार करता है और उसे नई संभावनाओं से परिचित कराता है। किंतु केवल ज्ञान अर्जित कर लेना ही पर्याप्त नहीं है। यदि ज्ञान व्यवहार में न उतरे, तो वह पुस्तकों के पन्नों तक ही सीमित रह जाता है। ज्ञान को सार्थक बनाने का कार्य बुद्धि करती है। बुद्धि वह क्षमता है, जो सही समय पर सही निर्णय लेने की शक्ति प्रदान करती है। जीवन में अनेक अवसर ऐसे आते हैं, जब व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। उस समय केवल जानकारी नहीं, बल्कि सूझ-बूझ और दूरदर्शिता काम आती है। बुद्धिमान व्यक्ति समस्याओं से घबराता नहीं, बल्कि उनका समाधान खोजता है। वह परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालना जानता है और असफलताओं को भी सीखने का अवसर बना लेता है। इन दोनों से भी श्रेष्ठ स्थान विवेक का है। विवेक वह आंतरिक चेतना है, जो हमें सही और गलत, न्याय और अन्याय, सत्य और असत्य के बीच अंतर करना सिखाती है। विवेक ही मनुष्य को नैतिक बनाता है। जब ज्ञान और बुद्धि के साथ विवेक जुड़ जाता है, तब व्यक्ति अपने निर्णय केवल स्वार्थ के आधार पर नहीं, बल्कि समाज और मानवता के हित को ध्यान में रखकर लेता है। यही गुण एक सामान्य व्यक्ति को असाधारण बना देता है। वर्तमान समय में ज्ञान का विस्फोट हुआ है, लेकिन विवेक का संकट भी उतना ही गहरा दिखाई देता है। सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों ने सूचनाओं का अंबार खड़ा कर दिया है। बिना सत्यापन के खबरें साझा करना, अफवाहों पर विश्वास करना और बिना सोचे-समझे प्रतिक्रिया देना इस बात का संकेत है कि ज्ञान उपलब्ध है, पर विवेक का उपयोग कम हो रहा है। इसलिए आज आवश्यकता केवल शिक्षित लोगों की नहीं, बल्कि विवेकशील नागरिकों की है। हमारे परिवार, विद्यालय और समाज की जिम्मेदारी है कि वे नई पीढ़ी को केवल प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए नहीं, बल्कि बहुमूल्य जीवन के लिए तैयार करें। बच्चों में पढ़ने की आदत, प्रश्न पूछने का साहस, तर्क करने की क्षमता और नैतिक मूल्यों का विकास ही उन्हें सच्चे अर्थों में शिक्षित बनाएगा। चरित्र के बिना ज्ञान विनाश का कारण बन सकता है, जबकि विवेकयुक्त ज्ञान समाज के विकास का आधार बनता है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि महान व्यक्तियों की पहचान केवल उनके ज्ञान से नहीं, बल्कि उनके विवेकपूर्ण निर्णयों से बनी। उन्होंने अपने ज्ञान और बुद्धि का उपयोग मानवता के कल्याण के लिए किया। यही कारण है कि उनका जीवन आज भी प्रेरणा का स्रोत है। ज्ञान हमें सीखने की प्रेरणा देता है, बुद्धि हमें सोचने की क्षमता प्रदान करती है और विवेक हमें सही मार्ग पर चलने की शक्ति देता है। यदि इन तीनों का संतुलित विकास हो जाए, तो व्यक्ति न केवल अपने जीवन में सफलता प्राप्त करता है, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आज की सबसे बड़ी आवश्यकता यही है कि हम केवल ज्ञानवान बनने का प्रयास न करें, बल्कि बुद्धिमान और विवेकशील भी बनें। यही जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि और सच्ची संपत्ति है। महाभारत में महर्षि वेदव्यास ने कहा है कि सभी प्राणियों में मनुष्य सबसे श्रेष्ठ है। इसका कारण उसकी शक्ति, ज्ञान या बुद्धि नहीं, बल्कि उसका विवेक है। विवेक ही मनुष्य को सही और गलत, उचित और अनुचित का निर्णय लेने की क्षमता देता है। यही गुण उसे अन्य प्राणियों से अलग और श्रेष्ठ बनाता है। आज जब विवेक का स्थान स्वार्थ ने ले लिया है, तब समाज में अपराध, नशाखोरी, मिलावट, भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी, हिंसा, तनाव और आपसी वैमनस्य जैसी समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं।

संघर्ष से सम्मान तक शिक्षक महेन्द्र कुमार पटेल की प्रेरक यात्रा

शिक्षकमहेन्द्र कुमार पटेल का जन्म 9 जुलाई 1976 को जिला महासमुंद के ग्राम लाफ्नि कला के एक साधारण किसान परिवार में हुआ। बचपन संघर्षों से भरा रहा। गांव में बिजली-सड़क नहीं थी, इसलिए प्राथमिक शिक्षा दीये की टिमटिमाती रोशनी में पूरी की। मिडिल स्कूल की पढाई 3 किमी पैदल लाफ्नि खुर्द जाकर तथा नवमी से बारहवीं तक की पढ़ाई बहन के घर महासमुंद में रहकर पूरा किया। परिवार में कोई अधिक पढ़ा-लिखा नहीं था, अत: स्व-अध्ययन से डी.एड., स्नातक एवं हिन्दी, राजनीति व संस्कृत में स्नातकोत्तर पूर्ण किया।

पत्थर की बेंच से पक्के भवन तक :

11 दिसंबर 1998 को शास. नवीन प्राथमिक शाला स्टेशनपारा बेलसोंडा से शिक्षकीय जीवन शुरू हुआ। यह पत्थर की बेंच से पक्के भवन तक की 7 साल की तपस्या थी। उस समय वहां न भवन था, न फर्नीचर। 3 साल तक खंडहर में पत्थर टिकाकर पढ़ाना पड़ा। शास. प्रा. शाला बेलसोंडा से 15 बच्चे लाकर शाला शुरू की और पारधी घुमंतू समुदाय में घर-घर संपर्क कर दर्ज संख्या 75+ तक पहुंचाई। पालकों व जनप्रतिनिधियों के सहयोग से 7 वर्षों में पक्का भवन व आधा एकड़ जमीन भी स्कूल के नाम कराई।परिणामस्वरूप कक्षा 5वीं बोर्ड में 11 में से 11 बच्चे प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए जिसमें एक छात्र ने 86त्न+ अंक लाकर कीर्तिमान बनाया।

समर्पण से सृजन तक :

30 दिसंबर 2005 से शास. पू.मा.शाला चरौदा, वि.खं. आरंग, जिला रायपुर में शि.क. वर्ग-2 के पद पर कार्यरत हैं। यहां भी शुरुआत जीर्ण भवन से हुई। जनप्रतिनिधियों के सहयोग से पक्का भवन बना। वहां स्थित 5 एकड़ का विशाल मैदान में जनसहभागिता से करीब 400 हाईवा मिट्टी डलवाकर समतल कराया। जनप्रतिनिधियों व समुदाय के साथ मिलकर अब तक करीब 70 लाख रु. से अधिक का प्रार्थना शेड, दो सांस्कृतिक मंच, किचन शेड, पुस्तकालय, करीब 1हजार मीटर अहाता, शौचालय, सहित शेष मैदान का समतलीकरण कराने में अहम् भूमिका निभाई। स्वव्यय से बच्चों को कंप्यूटर, संगीत सामग्री, स्मार्ट टीवी भेंट किया। अनेकों गरीब बच्चों को आर्थिक सहयोग कर 12वीं तक पढ़ाई लिखाई कराया।2017 में गणतंत्र दिवस में स्कूल प्रांगण 81 फीट ऊंचे स्तंभ में ध्वजाउत्तोलन व 47 फीट विशाल चबूतरे पर ध्वजारोहण तथा 800 वर्ग फिट मैदान में रंगोली से तिरंगा बनाकर इतिहास रचा।

विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार व जनसेवा :

शैक्षणिक क्षेत्र में हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी पद्यों का लयबद्ध पठन प्रमुख नवाचार है, जिसे आज शिक्षा विभाग के दिशा कार्यक्रम में अपनाया जा रहा है। तकनीक, चार्ट, संगीत व साउंड सिस्टम से शिक्षण को रोचक बनाया। अंग्रेजी के टेंस स्ट्रक्चर को पारंपरिक गीत बनाकर नवाचार किया। सामाजिक क्षेत्र में स्वच्छता, पौधरोपण, यातायात, मतदाता जागरूकता, देशभक्ति व छत्तीसगढ़ी गीतों और पांच लघु फिल्मों का निर्माण के माध्यम से लाखों लोगों को जनजागरण किया। पुरातात्विक स्थलों पर शोध कर तीन बार राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। और पुरातात्विक नगरी आरंग पर केंद्रित पत्रिका के संकलन में अहम् भूमिका निभाई। बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए शिक्षादान केंद्र संचालित कर तथा अनेको कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम आयोजित कर हजारों बच्चों को लाभान्वित किया।शिक्षक के लगाए करीब 300 पौधे बड़े होकर फल व छाया दे रहे हैं। आज भी दस सामाजिक संस्थाओं में सक्रिय रूप से सहभागिता निभाते हुए जन सेवा का कार्य कर रहे हैं। इनके समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के फलस्वरूप2016 में मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण, पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए समर्पण अवार्ड,अक्षय अलंकरण,डाक्टर अब्दुल कलाम सम्मान, मतदाता जागरूकता एवं पांडूलिपि संकलन हेतु कलेक्टर से सम्मानसहित विभिन्न संस्थाओं से राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर तीस से अधिक सम्मान मिल चुके है।इनके नित-नूतन नवाचारी गतिविधियों से अन्य शिक्षक भी प्रेरित हो रहे हैं।

भारत से टकराने की जिद बड़ी भारी पड़ती है

नीरज कुमार दुबे

भारत का रुख बिल्कुल स्पष्ट है। नई दिल्ली का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियां 1960 जैसी नहीं रहीं। जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आबादी, ऊर्जा की आवश्यकता, नई प्रौद्योगिकी और सबसे बढ़कर पाकिस्तान प्रायोजित सीमापार आतंकवाद ने पूरे परिदृश्य को बदल दिया है। ऐसे में संधि की समीक्षा और नए सिरे से विचार स्वाभाविक आवश्यकता है। सीमापार आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति बना चुके पाकिस्तान की आज ऐसी दुर्गति हो चुकी है कि वह भारत के खिलाफसाजिश रचने की कीमत भी अपनी जेब से चुका रहा है। दरअसल, सिंधु जल संधि को लेकर भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर घेरने की नाकाम कोशिश में इस्लामाबाद न केवल अपनी ओर से खर्च उठा रहा है, बल्कि भारत के हिस्से का व्यय भी खुद अदा कर रहा है। यानी जिस देश को वह कटघरे में खड़ा करना चाहता है, उसी का बिल भी उसे भरना पड़ रहा है। यह दृश्य पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली, कूटनीतिक बेबसी और बौखलाहट का सबसे बड़ा प्रमाण है। दुनिया के सामने भारत को घेरने निकला पाकिस्तान आज अपनी ही बनाई चाल में फंसकर उपहास का पात्र बन गया है। हम आपको बता दें कि सिंधु जल संधि वर्ष 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई थी। इस व्यवस्था के अंतर्गत छह नदियों के जल के बंटवारे का ढांचा तय किया गया था। दशकों तक भारत ने संधि का पूरी निष्ठा से पालन किया, जबकि दूसरी ओर पाकिस्तान लगातार आतंकवाद को संरक्षण देता रहा। पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद भारत ने साफसंदेश दिया कि जब तक पाकिस्तान सीमापार आतंकवाद का विश्वसनीय और स्थायी रूप से परित्याग नहीं करता, तब तक सामान्य स्थिति की उम्मीद नहीं की जा सकती। इसी क्रम में भारत ने संधि से जुड़ी कार्यवाहियों में अपनी भागीदारी स्थगित कर दी। भारत का रुख बिल्कुल स्पष्ट है। नई दिल्ली का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियां 1960 जैसी नहीं रहीं। जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आबादी, ऊर्जा की आवश्यकता, नई प्रौद्योगिकी और सबसे बढ़कर पाकिस्तान प्रायोजित सीमापार आतंकवाद ने पूरे परिदृश्य को बदल दिया है। ऐसे में संधि की समीक्षा और नए सिरे से विचार स्वाभाविक आवश्यकता है। इसके विपरीत पाकिस्तान हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत को घेरने

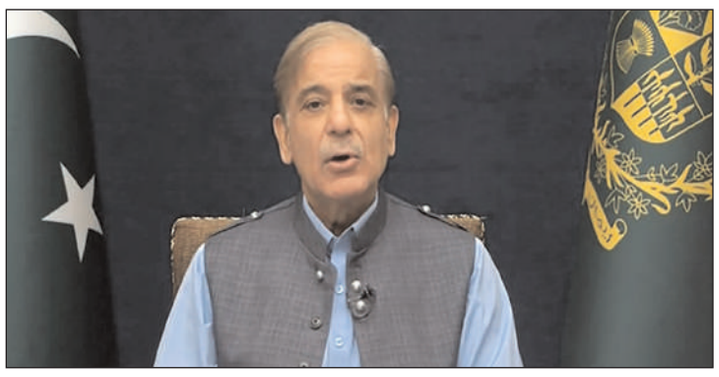

की नाकाम कोशिश कर रहा है। लेकिन विडंबना देखिए कि जिस मध्यस्थता प्रक्रिया से वह भारत पर दबाव बनाना चाहता है, उसी का पूरा आर्थिक बोझ भी उसे स्वयं उठाना पड़ रहा है। यह उस कूटनीतिक दिवालियेपन का प्रतीक है जिसमें पाकिस्तान दुनिया के सामने अपनी दलीलें जीवित रखने के लिए किसी भी कीमत पर तैयार दिखाई देता है। सच्चाई यह भी है कि सिंधु जल संधि से दशकों तक सबसे बड़ा लाभ पाकिस्तान को मिला। भारत, ऊपरी प्रवाह वाला देश होने के बावजूद, संधि की कठोर शर्तों का पालन करता रहा। अनेक विशेषज्ञ लंबे समय से यह प्रश्न उठाते रहे हैं कि यह व्यवस्था भारत के हितों के अनुरूप नहीं रही। इसके बावजूद भारत ने जिम्मेदार राष्ट्र का परिचय दिया। लेकिन जब पड़ोसी देश आतंकवादियों को शरण दे, प्रशिक्षण दे और भारत के निर्दोष नागरिकों का रक्त बहाने वालों को संरक्षण प्रदान करे, तब केवल सद्भावना के आधार पर संबंध नहीं चल सकते। पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शोर मचाने से वास्तविकता नहीं बदलती। आतंकवाद और बातचीत, आतंकवाद और सहयोग, आतंकवाद और विश्वास, ये तीनों एक साथ नहीं चल सकते। यदि इस्लामाबाद यह सोचता है कि वह एक ओर आतंकियों को पालता रहेगा और दूसरी ओर जल समझौतों तथा वैश्विक संस्थाओं की आड़ लेकर भारत पर दबाव बनाएगा, तो यह उसकी सबसे बड़ी भूल है। भारत ने बार-बार संयम दिखाया है, लेकिन संयम को कमजोरी समझना पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है। अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा, जल हितों और संप्रभु अधिकारों से किसी प्रकार का समझौता करने वाला नहीं है। यदि पाकिस्तान वास्तव में क्षेत्र में शांति चाहता है तो उसे सबसे पहले अपनी धरती से संचालित सीमापार आतंकवाद की फैक्ट्रियों पर स्थायी ताला लगाना होगा। बहरहाल, पाकिस्तान के नीति-निर्माताओं के लिए यह घटनाक्रम स्पष्ट संदेश है। जो देश आज भारत का हिस्सा भी अपनी जेब से भरने को विवश है, उसे पहले अपनी अर्थव्यवस्था, अपने शासन और अपनी प्राथमिकताओं पर ध्यान देना चाहिए। भारत को धमकियों या अंतरराष्ट्रीय मंचों की कार्यवाहियों से झुकाया नहीं जा सकता।3 भारत की ओर से संदेश बिल्कुल स्पष्ट है कि यदि पाकिस्तान ने सीमापार आतंकवाद को हमेशा के लिए बंद नहीं किया, तो उसे केवल आर्थिक ही नहीं, कूटनीतिक, सामरिक और रणनीतिक स्तर पर भी और बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

गुरुओं की करुणा से भीगने वाला हृदय ही मूक माटी बनकर जीवन को मंगलमय बनाता है : मुनि श्री समता सागर जी महाराज

■ कुण्डलपुर में 9 अगस्त को होगा भव्य मंगल कलश स्थापना समारोह का आयोजन

कुण्डलपुर (मध्यप्रदेश) (विश्व परिवार)। वर्षायोग एवं चातुर्मास स्थापना संकल्प दिवस के अवसर पर निर्यापक श्रमण मुनि श्री समता सागर महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि 'वर्षायोग' केवल वर्षा ऋतु का नाम नहीं, बल्कि प्रकृति की वर्षा और गुरु-जिनवाणी कीअमृतवर्षा का पावन संगम है।जिस प्रकार वर्षाऋतु धरती को भिगोकर उसे उर्वरक बनाती है,उसी प्रकार गुरु की वाणी मनुष्य के कठोर हृदय को कोमल बनाकर जीवन का रूपांतरण करती है,उन्होंने कहा कि पत्थर केवल बाहर से भीगता है,लेकिन मिट्टी बाहर और भीतर दोनों ओर से भीगकर शिल्पी के हाथों 'मूक माटी' बन जाती है।इसी प्रकार जो साधक गुरु की वाणी और जिनवाणी से भीगता है,वही अपने जीवन को श्रेष्ठ संस्कारों के अनुरूप ढाल पाता है।

मुनि श्री ने कहा कि पिछले दिनों की प्रचंड गर्मी के बाद जैसे ही संघ का कुण्डलपुर में मंगल प्रवेश हुआ, प्रकृति ने शीतल बादलों और वर्षा से सभी का स्वागत किया।यह केवल प्राकृतिक संयोग नहीं, बल्कि गुरु-कृपा का मंगल संकेत है।बाहर प्रकृति की वर्षा शरीर को तृप्त करती है, जबकि गुरु की करुणा और जिनवाणी की वर्षा आत्मा को हरा-भरा कर देती है। उन्होंने संत कबीर का पद उद्धृत करते हुए कहा— 'कबीरा बदली प्रेम की, हम पर बरखा आई; अंतर भीगी आत्मा, हरी-भरी बन आई।'

उन्होंने कहा कि आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी का यह दिन श्रमण परंपरा में वर्षायोग एवं चातुर्मास का संकल्प दिवस है। इसी दिन आचार्य, मुनि, ऐलक और क्षुल्लक शास्त्रोक्त विधि से वर्षायोग धारण करने का संकल्प लेते हैं,यह आत्मजागरण, साधना और संयम का शुभारंभ है। मुनि श्री ने भगवान महावीर के पूर्वभव की प्रेरक कथा का उल्लेख करते हुए कहा कि किस प्रकार एक हिंसक सिंह को मुनिराज के करुणामय उपदेश ने भीतर तक बदल दिया।गुरु के आत्मजागरण के संदेश से उसके परिणाम पिघल गए,पश्चाताप के आँसू बह निकले, उसने अहिंसा का व्रत धारण किया,और समाधिमरण कर यह जीव पुण्य के प्रताप से भगवान महावीर बने।उन्होंने कहा कि जब जीव के परिणाम बदलते हैं, तभी जीवन भी बदलता है और आत्मा महानता की ओर अग्रसर होजाती है। मुनि श्री ने कहा कि गुरुओं की देशना केवल सुनने के लिए नहीं, बल्कि जीवन में उतारने के लिए होती है।यदि श्रद्धालु चातुर्मास के दौरान गुरु-वाणी से अपने अंतर्मन को सींचेंगे, तो उनका जीवन भी मंगलमय, संयममय और आत्मकल्याणकारी बन जाएगा। समता सरोवर के राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं कुण्डलपुर तीर्थ क्षेत्र कमेटी के प्रचारमंत्री जयकुमार जैन जलज ने बताया प्रात:काल बडे बाबा के चरणों में चातुर्मास संकल्प की सभी क्रियाएं संपन्न की गई। **- जय कुमार जैन**

सदलगा (कर्नाटक) में युवा प्रतिदिन कर रहे है षट आवश्यको का पालन : धवल पाटील

सदलगा (कर्नाटक) (विश्व परिवार)। कर्नाटक राज्य के बेलगांव जिले में सदलगा नामक गांव के अष्टगे परिवार में, 10 अक्टूबर 1946 को, शरद पूर्णिमा के पावन दिन शिशु के रूप में एक चांद का अवतरण हुआ। उस शिशु का नाम रखा गया विद्याधर अष्टगे। यही बालक विद्याधर अष्टगे संयम पथ पर चलते हुए, आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज के रूप में हमारे सामने आए।

विद्याधर जी के पिता श्री का नाम श्री मल्लप्पा अष्टगे जी और माता श्री का नाम श्रीमती जी अष्टगे था। आपके माता-पिता ने भी आगे भविष्य में संयम पद को अपनाया और मुनि व आर्यिका दीक्षा ग्रहण की। विद्याधर जी का जन्म ऐसे परिवार में हुआ जहां पर धार्मिक संस्कारों पर बहुत ध्यान दिया जाता था और धार्मिक चर्या का अनुशासन के साथ पालन किया जाता था। साधु संगति और सेवा में भी परिवार सदा आगे रहता था। परिवारजन धार्मिक-आध्यात्मिक विचारों वाले थे। ऐसे पारिवारिक वातावरण का प्रभाव विद्याधर जी पर भी पड़ा और बचपन से ही उनकी धार्मिक क्रियाकलापों के प्रति रुचि बढ़ गई। परिवार की धार्मिक पृष्ठभूमि का ऐसा प्रभाव रहा कि विद्याधर जी के माता पिता और तीनों भ्राताओं ने भी दिगम्बरी दीक्षा को अंगीकार किया और अपने मानव जीवन को सफल बनाया। दोनों बहनों ने भी आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत धारण कर साधना पथ पर अपने को अग्रसर किया।

पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज की शिष्या आर्यिका निष्काममती जी माताजी के मंगल आशीर्वाद से आसपास की कॉलोनियों के सकल जैन समाज,सदलगा के युवा श्रद्धालु अक्षय पाटील, धवल पाटील, निशांत पाटील, वृषभ, अमित पाटील, अचल तारदाळे, सम्मेद हुद्दार, रोहन काळे, अभि वग्गे, संयम पाटील, रचित वग्गे, सम्मेद पाटील, पृथ्वी, सम्मेद, ध्रुव तीप्पनावर, संयम, अरिहंत, संयम भोजे, सम्मेद वाघे, मनोज वठारे, वैभव पाटील, अभिषेक नांद्रे यें सभी युवा प्रतिदिन भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा कर धर्मलाभ एवं पुण्यार्जन कर रहे हैं। प्रतिदिन सुबह मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं सफेद धोती, दुपट्टे पहनकर श्रद्धा एवं भक्ती से श्रीजी का अभिषेक एवं शांतिधारा करने का सौभाग्य प्राप्त कर रहे हैं। श्याम को भक्तामर स्तोत्र पाठ एवं पद्मपुराण ग्रंथ का स्वाध्याय करते हैं।

40 वर्षों की दीवानगी: बिलासपुर के 'संजू बाबा' चुट्टू अवस्थी ने संजय दत्त की प्रशंसकता को बना दिया इतिहास

बिलासपुर (विश्व परिवार)। चार दशक... एक अभिनेता... एक वादा... और ऐसा समर्पण, जिसने एक प्रशंसक को पूरे छत्तीसगढ़ में पहचान दिला दी। अभिनेता संजय दत्त का जन्मदिन इस बार भी बिलासपुर के मध्यनगरी चौक में उनके प्रख्यात प्रशंसक चुट्टू अवस्थी ने पूरे उत्साह, भव्यता और जनसहभागिता के साथ मनाया। यह सिर्फ जन्मदिन का आयोजन नहीं, बल्कि 40 वर्षों से निभाई जा रही अटूट निष्ठा, प्रेम और समर्पण की जीवंत तस्वीर बनकर सामने आया।

चुट्टू अवस्थी की यह अनोखी यात्रा वर्ष 1986 में फिल्म 'नाम' से शुरू हुई। इसके बाद 'फतेह' और 'खलनायक' जैसी फिल्मों ने उनके लगाव को ऐसा जुनून बनाया कि महज 15 वर्ष की उम्र में उन्होंने हर वर्ष 29 जुलाई को संजय दत्त का जन्मदिन मनाने का संकल्प लिया। तब से यह सिलसिला बिना किसी रुकावट के लगातार जारी है। समय के साथ यह आयोजन समाजसेवा का अभियान बन गया। हर नवरात्रि में

मरीमाई मंदिर में संजय दत्त के स्वास्थ्य और दीर्घायु के लिए अखंड ज्योत प्रज्ज्वलित कराई जाती है। जन्मदिन पर अनाथालय, वृद्धाश्रम, नेत्रहीन विद्यालय और जरूरतमंदों के बीच फल, मिठाई और राशन वितरण उनकी पहचान बन चुका है। संजय दत्त की जेल से रिहाई पर उन्होंने 100 किलो लड्डू बांटे और शहर में रैली निकाली, जबकि वर्ष 2013 में अभिनेता के अस्वस्थ होने पर महामृत्युंजय जाप भी कराया। कोरोना काल में भी उनका संकल्प नहीं डिगा। उन्होंने सफाई कर्मियों और जरूरतमंद परिवारों को राशन, फल और सैनिटाइजर वितरित कर जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में मनाया।

वृंदावन सभागार रायपुर में भव्य काव्य संध्या का आयोजन, राहगिरी में बरसे काव्य के रस

रायपुर (विश्व परिवार)। नवरंग काव्य मंच, रायपुर द्वारा दिनांक 26 जुलाई वृंदावन सभागार रायपुर में भव्य काव्य संध्या का आयोजन किया गया। कवि राजेश जैन राही ने अपनी एकल काव्य प्रस्तुति 'राहगीरी' से सबका मन मोह लिया। उन्होंने 'जीवन का सफर, कविताओं के साथ' बहुत ही दिलकश अंदाज में प्रस्तुत किया। जन्म देने वाले माता-पिता से प्रारंभ यह सफ़र बचपन के दोस्तों, प्रेम प्रेयसी गृहस्थ जीवन से होता हुआ बांके बिहारी श्री कृष्ण तक पहुंचता है।

इस प्रस्तुति में गीत, दोहा, मुक्तक हास्य कविता, ग़ज़ल, भक्ति गीत सभी का समावेश था।

माँ बसे चरणों में तेरे मेरे चारों धाम हैं, बेर शबरी के यहीं पर और मिलते राम हैं। तुम्हारी गली में तुम्हारे सहारे, नज़र तो मिलाओ यशोदा दुलारे।

छत्तीसगढ़ राजगीत का सुरमयी गायन युवा गायिका प्रज्ञा परगनिहा ने

एवं मंच संचालन युवा कवयित्री प्रियंका उपाध्याय ने किया। वरिष्ठ साहित्यकार गिरीश पंकज मुख्यअतिथि थे एवं प्रख्यात साहित्यकार डॉ माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' ने अध्यक्षता की। गिरीश पंकज ने युवा पीढ़ी से सार्थक कविता लिखने का आह्वान किया। राही की एकल प्रस्तुति की उन्होंने भूरि - भूरि सराहना की। डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' ने बहुत ही रोचक अंदाज़ में कविकर्म और प्रेम की सार्थकता का वर्णन किया। इंद्रनाथ सिंह सेवानिवृत्त आईएफएस, एस. राय गुरु, राजकुमार मसंद एवं श्रीमती शशि दुबे अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे।

शहर की चार सामाजिक संस्थाओं वीर भोग्या वसुंधरा सेवा संस्थान, शकुंतला फाउंडेशन, भारत स्वाभिमान ट्रस्ट एवं हमर चिन्हारी साहित्य समिति को नवरंग समाज रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। डॉ. एस रायगुरु को नवरंग साहित्य रत्न सम्मान एवं प्रियंका गुप्ता को नवरंग समाज रत्न सम्मान प्रदान किया गया।

आमंत्रित रचनाकारों में शकुन्तला तरार, शशि दूबे, डॉ एस राएगुरु, डॉ. मृणालिका ओझा, सुषमा पटेल, मयूराक्षी मिश्रा,डॉ सुरेश तिवारी, राजकुमार मसंद, कोमल राठौर, राकेश अग्रवाल, कुहुक अग्रवाल, भागीरथ वर्मा, राजेंद्र ओझा, छबिलाल सोनी,गोपाल सोलंकी, कैलाश रारा, योगेश शर्मा, शिव गुप्ता ,मन्नूलाल यदु, आरव शुक्ला, ईशान विधुत, रवि शर्मा, यशवंत यदु, महेंद्र बेजुबा, शालू सूर्या, भव्या सूर्या, विवेक भट्ट, अनिल राय भारत ने अपने काव्य पाठ से समां बाँध दिया।

श्री 108 विशद सागर जी महामुनिराज ससंघ के 33वें वर्षायोग की कलश स्थापना का भव्य आयोजन

जयपुर (विश्व परिवार)। परम पूज्य गणाचार्य श्री विराग सागर जी के परम तेजस्वी शिष्य श्रमणाचार्य श्री 108 विशद सागर जी महामुनिराज ससंघ के 33 वें वर्षायोग की कलश स्थापना का भव्य आयोजन श्री महावीर जिनालय चित्रकूट कालोनी सांगानेर जयपुर में भारी धर्म प्रभावना के साथ सम्पन्न हुआ। संघस्थ स्थविर मुनिश्री विशाल सागर जी महाराज एवं मुनिश्री विपिन सागरजी का अठाइयों में का 9 दिन की व्रत /उपवास साधना के बाद दसवें दिन 30 जुलाई को चित्रकूट में पारणा सम्पन्न होगा। विशाल मुनि की विशाल साधना चुलती ही रहती है। चित्रकूट में भी नन्दीश्वर विधान के अवसर पर लगातार 13 घण्टे तक एक ही स्थान पर साधनारत रहे कठोर कायक्लेश तप की साधना की 27 वर्षों के साधनाकाल में भक्तामर / सोलह कारण आदि विभिन्न प्रकार के 5353

व्रत / उपवासो अब तक साधना कर चुके अनेक स्थानो पर 36 घण्टे 72 घण्टे, 116 घण्टे 157 घण्टे की लगातार कठोर कायक्लेश तप खडगासन अवस्था में साधना कर चुकें गुरुवर की छत्र छाया में विगत 22 वर्षों से साधनारत है।

कुंभोज में कलश स्थापना के साथ प्रारंभ होगा आचार्य चंद्रप्रभसागर जी महाराज ससंघ का विद्या सन्मतीदास पावन पावन वर्षायोग-2026

कुंभोज (महाराष्ट्र) (विश्व परिवार)। धर्मनगरी कुंभोज जहाँ आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज जी का चौमासा हुआ था। कुंभोज नगरी में आचार्य श्री सन्मतीसागर महाराज जी का सन 2008 में चातुर्मास हुआ था। जैन संतो के चरण रज से पावन उसी कुंभोज नगरी में आचार्य चंद्रप्रभसागर जी महाराज ससंघ का विद्या सन्मतीदास पावन वर्षायोग 2026 कलश स्थापना कार्यक्रम 29 जुलाई 2026 को दोपहर 1 बजे से प्रारंभ होगा।

कलश स्थपना के प्रमुख 6 कलश: प्रथमाचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज कलश, संत शिरोमणी आचार्य विद्यासागर जी महाराज कलश, आचार्य श्रुतसागर जी महाराज कलश, आचार्य सन्मतीसागर जी महाराज कलश, गुरुदेव समंतभद्र जी महाराज

कलश, आचार्य श्री चंद्रप्रभसागर जी महाराज कलश जैन धर्म का सबसे महत्वपूर्ण आध्यात्मिक पर्व चातुर्मास हेतु युवासम्राट, क्रांतीरत्न, प्रवचनकेसरी, संतवात्सल्यनिधी, जिनवाणीकंठभूषण, सम्यकरत्नाकर, ज्ञानदिवाकर, वात्सल्यमूर्ती प.पू. 108 आचार्यश्री चंद्रप्रभसागर महाराजजी, प.पू. मुनी श्री 108 नमितसागर महाराजजी, प.पू. मुनी श्री 108 भास्वतसागर महाराजजी, प.पू मुनी श्री 108 सरलसागर महाराजजी, प.पू मुनी श्री 108 चंद्रकीर्तीसागर महाराजजी, प.पू ऐलक श्री 105 वात्सल्यसागर महाराजजी का आगमन 24 जुलाई 2026 को कुंभोज में हुआ है।

श्री 1008 भगवान आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर कुंभोज, श्री 1008 भगवान पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, श्री 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर, एवं सकल दिगंबर जैन समाज कुंभोज द्वारा विद्यासन्मतीदास पावन वर्षायोग 2026 का आयोजन बडे उत्साह के साथ किया जा रहा है।

पीपला फाउंडेशन ने प्रकृति दिवस पर लगाया पीपल

■ सुरक्षा का किया इंतजाम, धरती को हरा-भरा बनाने का लिया संकल्प

आरंग (विश्व परिवार)। मंगलवार को विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर नगर की स्वयंसेवी संस्था पीपला वेलफेयर फाउंडेशन के सदस्यों ने नगर के अंधिकार खोप तालाब किनारे पीपल के पौधे रोपित कर हरियाली का संकल्प लिया।

पौधरोपण के बाद रोपित पौधों में सुरक्षा जाली लगाकर उन्हें सुरक्षित किया गया। फाउंडेशन ने यह संकल्प लिया कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल कर उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखा जाएगा।इस अवसर पर फाउंडेशन के संयोजक महेन्द्र कुमार पटेल ने कहा कि विश्व प्रकृति दिवस प्रतिवर्ष 28 जुलाई को पर्यावरण

के प्रति जागरूकता के लिए मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रकृति से ही हमारा जीवन है, इसलिए प्रकृति को संवारना हम सबकी जिम्मेदारी है। धरती को हरा-भरा बनाना ही मानवता की सच्ची सेवा है।पौधरोपण में फाउंडेशन से कोमल लाखोटी, संजय मेश्राम, प्रतीक टोंड्रे सहित स्थानीय नागरिक सुकालु साहू, प्रताप साहू, भूषण साहू आदि मौजूद रहे।

भारतीय जैन मिलन बहुमण्डल शाखा ने भक्तामर महामंडल विधान में किये 48 श्रीफल के अर्घ समर्पित

■ पावागिरि में सिद्ध चक्र महामंडल विधान के समापन पर विश्वशांति महायज्ञ हवन एवं विमानोत्सव बुधवार को।

तालबेहट (विश्व परिवार)। जैनधर्म के अष्टाह्निका महापर्व में 21 तारीख से निरंतर जैन मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठानों के मध्य धर्म प्रभावना हो रही है। सिद्ध क्षेत्र पावागिरि सहित कसबे के दोनों जैन मंदिरों में नंदीश्वर द्वीप की पूजन के साथ सिद्धचक्र महामण्डल विधान का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिदिन अभिषेक शांतिधारा के उपरांत विशुद्धि पूर्वक सिद्धों की आराधना करते हुए द्विगुण-द्विगुण विधान में 1024 अर्घ समर्पित किये गये। वहीं चतुर्दशी को कसबे के वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर में भारतीय जैन मिलन बहुमण्डल

शाखा ने श्रद्धा और भक्ति के साथ भक्तामर महामंडल विधान का आयोजन किया एवं 48 श्रीफल के अर्घ समर्पित किये। जिसमें अनिल कुमार, अशोक जैन, पुष्पेंद्र कुमार, सुशील मोदी ने प्रमुख इद्रों की भूमिका निभाई। सायं काल की बेला में णमोकार महामंत्र का पाठ एवं भक्तामर पाठ के साथ 48 दीपक प्रज्वलित कर महाआरती का आयोजन किया। जिसमें मण्डल की सभी महिलाओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।संचालन जैन मिलन के अध्यक्ष विशाल जैन पवा ने किया। मिलन की संरक्षक अंजू राकेश सतभैया ने सभी का आभार व्यक्त किया। सिद्ध क्षेत्र पावागिरि में पं. महेंद्र कुमार जैन विदिशा के निर्देशन में आयोजित सिद्धचक्र महामण्डल विधान में अंतिम दिन 1024 अर्घ समर्पित किये। इस मौके पर पं. महेंद्र कुमार जैन ने रिद्धि-सिद्धिदायक विधान की महिमा का गुणगान करते हुए श्रीपाल-मैना सुंदरी चरित्र का वर्णन किया। इस मौके पर क्षेत्र प्रबंध समिति एवं अशोक कुमार, नरेन्द्र जैन राजेश कुमार राहुल जैन मानोरिया परिवार विदिशा का सक्रिय सहयोग रहा। 29 जुलाई बुधवार को सुबह मूलनायक भगवान पारसनाथ स्वामी का अभिषेक-शांतिधारा के उपरांत सिद्ध चक्र महामंडल विधान का समापन विश्वशांति महायज्ञ हवन एवं विमानोत्सव का आयोजन किया जायेगा।

मन की चंचलता दूर किए बिना आत्मशुद्धि संभव नहीं: मुनिश्री संवेगरत्न सागर जी म.सा.

■ विवेकानंद नगर में सर्वमंगलमय वर्षावास की चातुर्मासिक प्रवचनमाला शुरू

रायपुर (विश्व परिवार)। विवेकानंद नगर स्थित श्री ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में 28 जुलाई से सर्व मंगलमय वर्षावास-2026 चातुर्मासिक प्रवचनमाला का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर परम पूज्य मुनि श्री संवेगरत्न सागरजी म.सा. ने कहा कि आत्मा की शुद्धि के लिए सबसे पहले जीवन का लक्ष्य तय करना आवश्यक है। जब तक मन निर्मल और केंद्रित नहीं होगा, तब तक धर्म का वास्तविक लाभ नहीं मिल सकता।

मुनिश्री ने कहा कि आज मन चंचल और भटकाव से भरा हुआ है। वर्षावास और जिनवाणी का उद्देश्य इसी चंचलता को दूर कर मन को धर्म से जोड़ना है।

उन्होंने कहा कि केवल शरीर और वाणी को वर्षावास में बैठा देने से कुछ नहीं होगा, जब तक मन भी धर्म में नहीं लगेगा।

मुनिश्री ने कहा कि धर्म का पालन पूरे समर्पण के साथ होना चाहिए। जैसे प्रकृति में समय-समय पर परिवर्तन होता है, वैसे ही मन और जीवन में भी सकारात्मक बदलाव लाना आवश्यक है। हमारा अंतिम लक्ष्य मोक्ष की प्राप्ति है और इसके लिए मन को निर्मल व एकाग्र बनाना होगा।

मुनिश्री ने कहा कि आत्मशुद्धि के लिए लक्ष्य निर्धारित कर उसे प्राप्त करने का पुरुषार्थ करना चाहिए। बाहर का वातावरण अक्सर व्यक्ति को उसके लक्ष्य से भटका देता है। यही मन संसार में भटकने का कारण बनता है और यही मन मुक्ति का मार्ग भी प्रशस्त करता है। इसलिए मन को सही दिशा देना ही सच्चा पुरुषार्थ है।

धर्म को आचरण में लाकर अपने स्वभाव को बदलने का पुरूषार्थ करें : मुनिश्री शाश्वतरत्न सागर जी म.सा.

मुनिश्री शाश्वतरत्न सागर जी म.सा. ने कहा कि केवल धर्म की ओर मुख करने से धर्म हमारे जीवन में,आचरण में प्रवेश नहीं हो सकता। हम इतने वर्षों में भी नहीं बदले। हमारे स्वभाव में परिवर्तन नहीं आया है, हमारे जीवन में अभी तक अध्यात्म नहीं आया है,इसके लिए चिंतन आवश्यक है। जैसे एक कुशल शिल्पी एक पत्थर को अपने शरण में लेकर उसे तरासता है और पत्थर प्रतिमा के रूप में बदल जाता है।

विश्व प्रकृति दिवस पर बच्चों ने जाना प्रकृति का महत्व, पौधरोपण कर लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

आरंग (विश्व परिवार)। मंगलवार को शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चरौदा में विश्व प्रकृति दिवस मनाया गया। इस दौरान बच्चों को प्रकृति के महत्व और संरक्षण के उपायों के बारे में जानकारी दी गई।इस अवसर पर शिक्षकों ने बताया कि हर साल 28 जुलाई को विश्व भर में विश्व प्रकृति दिवस मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य प्रकृति के संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। प्रकृति ही हमारे जीवन का आधार है। हमें हवा, पानी, भोजन, छाया और जीवन देने वाले पेड़-पौधे, जीव-जंतु सब प्रकृति से ही प्राप्त होते हैं। लेकिन आज जलवायु परिवर्तन, बढ़ता प्रदूषण और जंगलों के कटने से

प्रकृति गंभीर संकट में है।शिक्षकों ने बच्चों को समझाया कि इस दिन हम यह संकल्प लेते हैं कि अधिक से अधिक पेड़ लगाएंगे, पानी बचाएंगे, प्लास्टिक का उपयोग कम करेंगे और वन्यजीवों की रक्षा करेंगे। धरती बचाओ, भविष्य बचाओ इसी अभियान का मूल संदेश है। प्रकृति को बचाएंगे तभी हमारा भविष्य सुरक्षित रहेगा।अंत में कक्षा छठवीं के बच्चों ने स्कूल परिसर में पौधरोपण कर हरियाली का संदेश दिया। साथ ही विद्यार्थियों ने लगाए पौधों की देखभाल करने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त समाचार

सैमसंग ने पेश किए एआई से लैस स्मार्ट ग्लासेज़

गुरुग्राम (भारत): सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने लंदन में आयोजित गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट के दौरान अपने नए इंटेलिजेंट आईवेयर (स्मार्ट ग्लासेज़) पेश किए। गूगल आई/ओ में पेश किए गए कॉन्सेप्ट को आगे बढ़ाते हुए कंपनी ने इन्हें वैश्विक आईवेयर ब्रांड जेंटल मॉन्स्टर और वार्बी पार्कर के सहयोग से विकसित किया है। ये स्मार्ट ग्लासेज़ दिखाते हैं कि गैलेक्सी इकोसिस्टम अब सिर्फ स्मार्टफोन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी, कामकाज, यात्रा और अन्य हैंड्स-फ्री गतिविधियों का भी हिस्सा बनेगा। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के मोबाइल एक्सपीरियंस (एमएक्स) बिजनेस के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर वॉन-जून चोई ने कहा, एजेंटिक एआई मोबाइल अनुभवों को नई दिशा दे रहा है। अब अगला कदम इन अनुभवों को और सहज बनाना है, ताकि वे हर यूज़र की जरूरत और परिस्थिति के अनुरूप काम कर सकें। स्मार्ट ग्लासेज़ इंटरैक्शन का एक नया माध्यम हैं, जो एआई आधारित व्यक्तिगत सहायता को स्वाभाविक रूप से लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाते हैं।

अब पीरियड्स में लीकेज की चिंता और नहीं! पेश है 'पैड चेंज अलर्ट' के साथ अपग्रेडेड Stayfree® Secure XL

पीरियड्स के दौरान लीकेज का डर हर पल महिलाओं को सताता रहता है, जिसके कारण उन्हें बार-बार अपने पैड चेक करने पड़ते हैं। महिलाओं की इस परेशानी को दूर करने के लिए भारत के अग्रणी मैंस्ट्रुअल हाईजीन ब्रांड, Stayfree® ने Stayfree® Secure XL पेश किया है। बेहतर Stayfree® Secure XL अपनी डबल लीक टेक्नोलॉजी के साथ 12 घंटे तक डबल प्रोटेक्शन प्रदान करता है। इसका आउटर बैरियर पैड चेंज अलर्ट के रूप में काम करता है, जो पैड्स की श्रेणी में एक नया इनोवेशन है। अपग्रेडेड Stayfree® Secure XL महिलाओं को अपने पीरियड्स को ज्यादा आत्मविश्वास के साथ संभालने में समर्थ बनाता है और पीरियड्स के दौरान उनकी सुविधा बढ़ाता है।

इंटरनेशनल क्रिकेट स्टार मोर्ने मोर्केल, कलर्स के शो खतरों के खिलाड़ी के साथ इंडियन टेलीविज़न पर डेब्यू किया

डर अब कदम रख रहा है अनजानी ज़मीन पर, और इस बार वह आ रहा है अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे खतरनाक तेज़ गेंदबाज़ों में से एक की रफ्तार और मौजूदगी के साथ। कलर्स का खतरों के खिलाड़ी एक नए सीज़न के साथ लौट रहा है, जहां डर का नया दौर और भी बड़े स्टंट्स, कठिन चुनौतियों और लगातार एक्शन का वादा करता है। शो की कमान एक्शन किंग रोहित शेट्टी के हाथों में है। दक्षिण अफ्रीका के खूबसूरत केप टाउन के नज़ारों के बीच, देश का सबसे बड़ा एडवेंचर रियलिटी शो सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट्स को उनकी सीमाओं तक धकेलने के लिए तैयार है। लेकिन इस सीज़न में है एक गेम-चेंजिंग ट्विस्ट पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट आइकॉन मोर्ने मोर्केल शो का हिस्सा बन रहे हैं, जो शो में एक बिल्कुल नया आयाम जोड़ने वाले हैं। कंटेस्टेंट्स को दिया गया है टास्क दिग्गज तेज़ गेंदबाज़ की फेंकी हुई गेंद को कैच करना। सुनने में आसान लगने वाला यह स्टंट असल में साहस, फोकस और रिफ्लेक्स का असली इम्तिहान बन जाता है, जब उन्हें क्रिकेट के सबसे बेहतरीन तेज़ गेंदबाज़ों में से एक की रफ्तार और ताक़त का सामना करना पड़ता है।

गरियाबंद में भूपेश बघेल की धमाकेदार एंट्री, तिरंगा चौक पर उमड़ा कांग्रेसियों का सैलाब

फूल-मालाओं से हुआ भव्य स्वागत, अमलीपदर में कथावाचक युवराज पांडेय से मुलाकात और जगन्नाथ मंदिर में करेंगे पूजा-अर्चना

गरियाबंद (विश्व परिवार)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सोमवार को गरियाबंद पहुंचते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। तिरंगा चौक पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुखचंद बेसरा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में जुटे कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उनका जोरदार स्वागत किया। नारेबाजी और उत्साह के बीच बघेल की मौजूदगी से तिरंगा चौक का माहौल पूरी तरह राजनीतिक रंग में रंग गया।

भूपेश बघेल अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत गरियाबंद जिले के अमलीपदर दौरे पर पहुंचे हैं। यहां वे प्रसिद्ध कथावाचक युवराज पांडेय से शिष्टाचार भेंट करेंगे। इसके बाद भगवान जगन्नाथ मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करेंगे और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करेंगे।

सुबह से जुटने लगे थे कार्यकर्ता

पूर्व मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह रहा। तिरंगा चौक पर सुबह से ही कार्यकर्ताओं का पहुंचना शुरू हो गया था। स्थानीय कांग्रेस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और समर्थक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए भूपेश बघेल का गर्मजोशी से अभिनंदन किया।

स्थानीय लोगों से भी करेंगे मुलाकात-अमलीपदर प्रवास के दौरान भूपेश बघेल स्थानीय लोगों से मुलाकात करने के साथ क्षेत्र के सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे। उनके दौरे को लेकर कांग्रेस संगठन ने व्यापक तैयारियां की थीं। स्थानीय कांग्रेस नेताओं के लिए यह दौरा राजनीतिक और संगठनात्मक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पत्रकारों के सवाल पर केंद्र सरकार पर साधा निशाना-सर्किट हाउस में पत्रकारों से चर्चा के दौरान भूपेश बघेल ने केंद्र की मोदी सरकार और अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि सीएनजी छात्रों द्वारा बनाई गई छात्रों के हित की पार्टी है और वह केंद्र की मोदी-अमित शाह सरकार के तानाशाही शासन के खिलाफ अपने हितों की लड़ाई लड़ रही है।

भूपेश बघेल के इस बयान के बाद उनके दौरे का राजनीतिक तापमान भी बढ़ता नजर आया। गरियाबंद में स्वागत से लेकर अमलीपदर के कार्यक्रमों तक कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह दिखाई दिया।

निर्दलीय पार्षद पुनाराम कांग्रेस में शामिल ,भूपेश बघेल ने पहनाया गमछा

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिले की सियासत में सोमवार को उस वक्त हलचल तेज हो गई, जब निर्दलीय पार्षद पुनाराम ने कांग्रेस का हाथ थाम लिया। स्थानीय सर्किट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कांग्रेस का गमछा पहनाकर और तिलक लगाकर पुनाराम को पार्टी की सदस्यता दिलाई। निर्दलीय पार्षद की यह राजनीतिक पारी कांग्रेस के साथ शुरू होने को स्थानीय राजनीति में अहम घटनाक्रम के तौर पर देखा जा रहा है। पुनाराम के कांग्रेस में शामिल होने के दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि उनके पार्टी में आने से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी। साथ ही स्थानीय निकायों में कांग्रेस का जनाधार बढ़ने की उम्मीद भी जताई गई। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि कांग्रेस जनसेवा और विकास की राजनीति में विश्वास करती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि पुनाराम के पार्टी से जुड़ने से क्षेत्र में कांग्रेस संगठन को और मजबूती मिलेगी तथा जनता से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने में मदद मिलेगी। कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने के बाद पुनाराम ने कहा कि वे कांग्रेस की जनहितैषी नीतियों और भूपेश बघेल की कार्यशैली से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास, जनता की समस्याओं के समाधान और कांग्रेस की रीति-नीति के अनुरूप वे पूरी निष्ठा के साथ काम करेंगे।

पुनाराम के कांग्रेस में शामिल होने के बाद स्थानीय राजनीतिक हलकों में इस घटनाक्रम को लेकर चर्चा तेज हो गई है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि निर्दलीय पार्षद के कांग्रेस में आने से आगामी दिनों में स्थानीय राजनीतिक समीकरण प्रभावित हो सकते हैं। इसे कांग्रेस के लिए जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सर्किट हाउस में हुए इस राजनीतिक मिलन ने गरियाबंद की स्थानीय राजनीति में नई चर्चा को जन्म दे दिया है और आने वाले समय में इसके असर पर सभी की नजरें रहेंगी।

मोल्ड-टेक पैकेजिंग लिमिटेड का Q1 मुनाफ़ा 14.17% बढ़ा

हैदराबाद की रिजिड प्लास्टिक पैकेजिंग कंपनी ने 30 जून को खत्म हुई तिमाही में 25.57 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफ़िट दर्ज किया, जबकि एक साल पहले यह 22.40 करोड़ रुपये था। रेवेन्यू सालाना आधार पर 24.90 प्रतिशत बढ़कर 240.56 करोड़ रुपये से 300.45 करोड़ रुपये हो गया। एबिटडा 19.10 प्रतिशत बढ़कर 56.43 करोड़ रुपये हो गया, जबकि प्रति किलोग्राम एबिटडा क्यू1 एफवाय27 में 46.68 रुपये के अब तक के सबसे ऊंचे स्तर (हिस्टोरिकल हाई) पर पहुंच गया; इसकी तुलना में क्यू1 एफवाय26 में यह 41.64 रुपये प्रति किलोग्राम था। इसमें बेहतर कैपेसिटी यूटिलाइज़ेशन, हैदराबाद यूनिट्स के कंसोलिडेशन और ज़्यादा मार्जिन वाले फार्मा पैकेजिंग बिज़नेस से बेहतर योगदान का अहम रोल रहा। टैक्स से पहले का प्रॉफ़िट 13.86 प्रतिशत बढ़कर 34.17 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल की इसी तिमाही में यह 30.01 करोड़ रुपये था।

चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर जे. लक्ष्मण राव ने कहा: युद्ध जैसी मौजूदा स्थिति के बावजूद, मोल्ड-टेक पैकेजिंग लिमिटेड ने एफवाय 2026-27 की मज़बूत शुरुआत की और 30 जून, 2026 को खत्म हुई पहली तिमाही में शानदार परफॉर्मेंस दी। हैदराबाद में यूनिट्स को एक साथ लाने और ज़्यादा कैपेसिटी का इस्तेमाल करने से बेहतर एबिटडा हासिल हुआ।

इस तिमाही के दौरान भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बढ़ने के बावजूद, कंपनी के कामकाज, सप्लाई चेन या वित्तीय प्रदर्शन पर कोई खास असर नहीं पड़ा, क्योंकि इनपुट की बढ़ी हुई लागत को ग्राहकों पर प्रभावी ढंग से डाल दिया गया।

यह शानदार ऑल-राउंड परफॉर्मेंस, ऑपरेशनल एक्सीलेंस पर मोल्ड-टेक के पक्के फोकस और हैदराबाद में यूनिट्स को रणनीतिक रूप से एक साथ लाने के नतीजों को दिखाता है, जिससे अब मुनाफ़ा बढ़ रहा है।

कन्या स्कूल में विज्ञान का रोमांचः 'साइंस ऑन व्हील्स' ने छात्राओं को दिखाई अंतरिक्ष और रोबोटिक्स की नई दुनिया

गरियाबंद। विज्ञान की प्रयोगशाला जब स्कूल की चौखट तक पहुंची तो छात्राओं की जिज्ञासा भी परवान चढ़ गई। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गरियाबंद में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के राष्ट्रीय अभियान 'साइंस ऑन व्हील्स' के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। मोबाइल विज्ञान प्रयोगशाला के माध्यम से छात्राओं को अंतरिक्ष विज्ञान, रोबोटिक्स, सस्टेनेबिलिटी और आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ जिले के पुलिस अधीक्षक देवव्रत सिरमौर ने किया।

कार्यक्रम का आयोजन रायपुर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की टीम के प्रेम प्रकाश, विवेक वैध और आशुतोष शुक्ला द्वारा किया गया। मोबाइल विज्ञान प्रयोगशाला के जरिए छात्राओं को वैज्ञानिक अवधारणाओं को व्यवहारिक रूप से समझने का अवसर मिला। प्रशिक्षकों ने विभिन्न वैज्ञानिक मॉडल और प्रयोगों का प्रदर्शन करते हुए जटिल विषयों को सरल और रोचक अंदाज में समझाया।

अंतरिक्ष तकनीक, रोबोटिक्स, पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक तकनीक से जुड़े प्रदर्शन ने छात्राओं में खासा उत्साह पैदा किया। छात्राओं ने स्वयं प्रयोगों में भाग लिया और विज्ञान से जुड़े सवाल पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी जाना। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक देवव्रत सिरमौर ने कहा कि वर्तमान समय में विज्ञान और तकनीक तेजी से प्रत्येक क्षेत्र को प्रभावित कर रही है। ऐसे में विद्यार्थियों के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना और नई तकनीकों का ज्ञान हासिल करना बेहद जरूरी है। उन्होंने छात्राओं से मेहनत, अनुशासन और नवाचार की भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक सोच विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करती है और देश के विकास में योगदान देने का अवसर प्रदान करती है। 'साइंस ऑन व्हील्स' का उद्देश्य स्कूलों तक विज्ञान को पहुंचाकर विद्यार्थियों में वैज्ञानिक जिज्ञासा, प्रयोगधर्मिता और नवाचार की भावना विकसित करना है। इसी उद्देश्य के तहत छात्राओं को स्पेस टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स, सस्टेनेबिलिटी और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर व्यवहारिक जानकारी दी गई।

विद्यालय परिवार ने कार्यक्रम को छात्राओं के लिए बेहद उपयोगी बताते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाते हैं, बल्कि विद्यार्थियों को भविष्य की उभरती तकनीकों से भी परिचित कराते हैं।

कार्यक्रम में डीएसपी निशा सिंहा, कोतवाली पुलिस से एसआई श्रद्धा कर्ष, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कर्ण सिंह उइके, धीरेंद्र पटेल, यातायात पुलिस से रामाधार मरकाम सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं।

गरियाबंद में बिना अनुमति ICU! सिटी हॉस्पिटल की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल

स्वास्थ्य विभाग का खुलासा— ICU संचालन की अनुमति नहीं, रुष्ठ विशेषज्ञ के दस्तावेज भी जमा नहीं; फिर मरीजों से ICU के नाम पर वसूली किस आधार पर?

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिले में निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। नगर के वार्ड क्रमांक 8 स्थित डॉक बंगला वार्ड में संचालित सिटी हॉस्पिटल को लेकर गंभीर सवाल सामने आए हैं। आरोप है कि अस्पताल में आवश्यक वैधानिक अनुमति के बिना आईसीयू (Intensive Care Unit) संचालित किया जा रहा है और मरीजों से ICU सुविधा के नाम पर भारी-भरकम शुल्क लिया जा रहा है। यदि ये आरोप जांच में सही पाए जाते हैं, तो मामला न केवल नियमों के उल्लंघन का होगा, बल्कि मरीजों की सुरक्षा से भी सीधे जुड़ा गंभीर विषय बन सकता है।

स्वास्थ्य विभाग के बयान से बढ़ा विवाद- मामले को लेकर जिला स्वास्थ्य अधिकारी यू.एस. नवरत्न का कहना है कि संबंधित अस्पताल ने ICU संचालन के लिए आवश्यक अनुमति प्राप्त नहीं की है। उन्होंने यह भी बताया कि अस्पताल में ICU संचालन के लिए आवश्यक माने जाने वाले MD विशेषज्ञ के दस्तावेज भी स्वास्थ्य विभाग में जमा नहीं किए गए हैं।

स्वास्थ्य विभाग के इस बयान के बाद अस्पताल की व्यवस्था और वैधानिक स्थिति पर कई सवाल खड़े हो गए हैं। सवाल यह है कि जब ढ्ढष्ट संचालन की अनुमति ही नहीं ली गई, तो अस्पताल में गंभीर मरीजों को ढ्ढष्ट सुविधा के नाम पर भर्ती और उपचार किस प्रावधान के तहत किया जा रहा है?

MD डॉक्टर की उपलब्धता पर भी सवाल- IC जैसी संवेदनशील चिकित्सा सुविधा के संचालन में विशेषज्ञ चिकित्सक, प्रशिक्षित स्टाफ और आवश्यक जीवनरक्षक उपकरणों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। अस्पताल प्रबंधन की ओर से MD डॉक्टर की उपलब्धता का दावा किए जाने की बात सामने आई है, लेकिन जिला स्वास्थ्य अधिकारी के अनुसार संबंधित डॉक्टर के दस्तावेज स्वास्थ्य विभाग में प्रस्तुत नहीं किए गए हैं।

ऐसे में अब यह जांच का विषय है कि अस्पताल में तैनात चिकित्सक की योग्यता, विशेषज्ञता और उपलब्धता संबंधी दस्तावेज क्या हैं तथा क्या वे ढ्ढष्ट संचालन के निर्धारित मानकों को पूरा करते हैं?

भवन अनुज्ञा से लेकर लाइसेंस तक उठ रहे सवाल- सिर्फ ICU संचालन ही नहीं, अस्पताल के भवन और अन्य वैधानिक औपचारिकताओं को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। निजी अस्पताल संचालन के लिए पंजीयन, भवन संबंधी आवश्यक अनुमतियां, अग्निशमन सुरक्षा, निर्धारित चिकित्सा मानक और अन्य जरूरी दस्तावेजों का पालन आवश्यक होता है।

ऐसे में स्वास्थ्य विभाग द्वारा अस्पताल के पंजीयन, भवन अनुज्ञा, अग्निशमन सुरक्षा, चिकित्सकीय स्टाफ उपकरणों और अन्य आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन किया जाना जरूरी माना जा रहा है।

निजी अस्पतालों के लिए नियमों का पालन जरूरी- छत्तीसगढ़ में निजी अस्पतालों के संचालन के लिए उपचर्यागृह तथा रोगोपचार संबंधी स्थापनाओं के पंजीकरण एवं अनुज्ञापन से जुड़े प्रावधान लागू होते हैं। अस्पतालों को निर्धारित नियमों के अनुसार पंजीकरण एवं लाइसेंस, उपलब्ध बेड और उपकरणों की जानकारी, प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों की जानकारी संबंधित विभाग को उपलब्ध करानी होती है।

वहीं ICU जैसी विशेष चिकित्सा सुविधा शुरू करने से पहले निर्धारित मानकों और आवश्यक अनुमतियों का पालन करना भी महत्वपूर्ण है। मरीजों से लिए जाने वाले शुल्क और उपलब्ध सुविधाओं में पारदर्शिता भी आवश्यक है।

ढ्ढष्ट सिर्फ मशीनें और एक कमरा नहीं! - चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार ढ्ढष्ट महज कुछ मशीनें लगाकर या अलग कमरा बनाकर संचालित नहीं किया जा सकता। इसके लिए 24 घंटे प्रशिक्षित स्टाफ, विशेषज्ञ चिकित्सकीय निगरानी, जीवनरक्षक उपकरण और निर्धारित चिकित्सा प्रोटोकॉल की आवश्यकता होती है।

ऐसे में यदि किसी अस्पताल में बिना आवश्यक अनुमति या निर्धारित मानकों के ढ्ढष्ट संचालित होने की पुष्टि होती है, तो यह मरीजों की सुरक्षा के लिहाज से गंभीर मामला हो सकता है।

सबसे बड़ा सवाल—ढ्ढष्ट की अनुमति नहीं तो शुल्क किस आधार पर? - अब पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि सिटी हॉस्पिटल के पास ICU संचालन की आवश्यक अनुमति नहीं है, तो मरीजों से ICU सुविधा के नाम पर शुल्क किस आधार पर लिया जा रहा है?

दूसरा सवाल यह भी है कि यदि अस्पताल में वास्तव में बिना अनुमति IC संचालित किया जा रहा है, तो स्वास्थ्य विभाग द्वारा अब तक क्या कार्रवाई की गई? क्या विभाग अस्पताल का औचक निरीक्षण करेगा? क्या ढ्ढष्ट में भर्ती मरीजों की सुविधाओं और उपचार व्यवस्था का सत्यापन होगा? और क्या अस्पताल प्रबंधन से ICU शुल्क की वसूली का हिसाब भी लिया जाएगा?

जांच हुई तो खुल सकता है पूरा मामला - मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा सिटी हॉस्पिटल की IC अनुमति, विशेषज्ञ डॉक्टरों की योग्यता, नर्सिंग स्टाफ उपकरणों, भवन अनुज्ञा, अग्निशमन सुरक्षा, अस्पताल पंजीयन और मरीजों से वसूले जा रहे शुल्क की विस्तृत जांच किए जाने की आवश्यकता है।

अब निगाहें स्वास्थ्य विभाग की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं। जांच में यदि नियमों का उल्लंघन सामने आता है तो जिम्मेदारों पर नियमानुसार कार्रवाई होगी या मामला सिर्फ कागजी जांच तक सीमित रहेगा—यह आने वाला समय बताएगा।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, बुधवार 29 जुलाई 2026

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने एकलव्य के विद्यार्थियों का बढ़ाया उत्साह

■ जनजातीय युवाओं की नई पहचान बन रहे एकलव्य विद्यालयः मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित एकलव्य संवाद कार्यक्रम में प्रदेश के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों से नीट-2026 में सफल विद्यार्थियों से आत्मीय चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी विद्यार्थियों को उनकी उल्लेखनीय सफलता पर बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़, विशेषकर जनजातीय समाज के लिए गर्व का विषय है।

उन्होंने कहा कि एकलव्य विद्यालयों के विद्यार्थियों ने यह सिद्ध कर दिया है कि अवसर, संसाधन और संकल्प मिलने पर प्रतिभा किसी भी परिस्थिति की मोहताज नहीं होती।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आपके विद्यालय का नाम 'एकलव्य' है और भारतीय इतिहास में एकलव्य का स्थान अद्वितीय है। उन्होंने गुरु द्रोणाचार्य को अपना आदर्श मानकर कठिन परिस्थितियों में भी निरंतर साधना और समर्पण के बल पर धनुर्विद्या में असाधारण दक्षता प्राप्त की। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि उसी प्रकार आप भी अथक परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ निश्चय के साथ अपने जीवन का लक्ष्य प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि सफलता का सबसे बड़ा मंत्र निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि खूब पढ़िए, आगे बढ़िए और और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में भागीदार बनिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यार्थियों को संत कबीर के प्रसिद्ध दोहे 'गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूँ पाय; बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय' का उल्लेख करते हुए गुरु के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि गुरु का स्थान ईश्वर से भी श्रेष्ठ माना गया है, क्योंकि गुरु ही हमें ज्ञान देकर जीवन का सही मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने गुरुजनों का सदैव सम्मान करने और उनसे प्राप्त ज्ञान को समाज के हित में उपयोग करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारत सरकार द्वारा देशभर में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं और छत्तीसगढ़ के लिए यह गर्व की बात है कि प्रदेश में एकलव्य विद्यालय संचालित हैं, जहां जनजातीय समुदाय के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि एकलव्य की तरह लक्ष्य साधिए, सफलता निश्चित मिलेगी। उन्होंने कहा कि नीट जैसी कठिन राष्ट्रीय परीक्षा में सफलता प्राप्त करना आपके परिश्रम, आपके माता-पिता के आशीर्वाद और गुरुजनों के समर्पण का परिणाम है। उन्होंने इस अवसर पर सभी अभिभावकों और शिक्षकों को भी बधाई दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यार्थियों से कहा कि डॉक्टर का स्थान समाज में अत्यंत सम्माननीय होता है। भगवान हमें जन्म देते हैं, लेकिन डॉक्टर जीवन की रक्षा करते हैं और लोगों को नया जीवन प्रदान करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे केवल कुशल चिकित्सक ही नहीं, बल्कि संवेदनशील, सहृदय और विनम्र डॉक्टर भी बनें।

बाबा बुढ़ामहादेव से भोरमदेव मंदिर तक निकलेगी आस्था, भक्ति की पदयात्रा

■ कवर्धा की सुख-समृद्धि के लिए 03 अगस्त को निकलेगी शिवभक्तों की पदयात्रा

कवर्धा (विश्व परिवार)। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने बुढ़ामहोदव मंदिर से लेकर भारमदेव मंदिर तक प्रथम सोमवार को होने वाले पदयात्रा को लेकर मातृशक्तियों के साथ बैठक कर पदयात्रा में शामिल होने को आव्हान किया। उन्होनें अधिकारियों को भी भोरमदेव पदयात्रा मार्ग की आवश्यक साफ-सफाई के साथ-साथ मंदिर परिसर की साफ-सफाई किये जाने हेतु निर्देशित किया है नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी व समस्त पार्षदों द्वारा भोरमदेव पदयात्रा को ऐतिहासिक बनाने के लिए जोर शोर से तैयारी की जा रही है।

नपाध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने बैठक लेकर कहा-पदयात्रा में सभी भाग ले कबीरधाम जिले के ऐतिहासिक एवं धार्मिक आस्था के केंद्र बाबा भोरमदेव मंदिर में सावन महोत्सव की तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। 03 अगस्त को सावन माह की पहली सोमवार को निकलने वाले भोरमदेव पदयात्रा की तैयारी को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने भाजपा जिला महिला मोर्चा, भाजपा महिला शहर मंडल की पदाधिकारियों के साथ-साथ कवर्धा शहर की मातृशक्ति आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, मितानिनों, महिला मण्डली एवं महिला समूह के दीदीयों के साथ बैठक की गई। कबीरधाम जिले के बाबा भोरमदेव मंदिर में सावन महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है। बैठक में महत्तवपूर्ण विषयों पर चर्चा कर पदयात्रा को सफल बनाने हेतु सभी से अनुरोध किया। नगर पालिका अध्यक्ष ने चर्चा करते हुए सभी को अवगत कराया कि श्रावण मास के प्रथम सोमवार को प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भोरमदेव पदयात्रा को भव्य और दिव्य बनाने हेतु आप सभी अपने-अपने वार्डो के महिलाओं व अन्य श्रद्वालुओंजनों से संपर्क कर भोरमदेव पदयात्रा में शामिल होने हेतु आमंत्रित करें।

भक्तिभाव के साथ शामिल होवें पदयात्रा में

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने बताया कि हमारे अराध्य बाबा बुढ़ामहादेव मंदिर से भोरमदेव मंदिर तक पदयात्रा में शामिल होकर अपने व अपने परिवार के साथ-साथ पूरे कवर्धा शहर की खुशहाली के लिए कामना करेगें। इस आयोजन को हम सभी को मिलकर करना है हम सबके प्रयास से ही पदयात्रा कार्यक्रम में आध्यमिक व भक्तिभाव का माहौल रहेगा।

मंत्री टंक राम वर्मा ने किया विकास कार्यों का शिलान्यास

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर जिले के तिल्दा विकासखंड अंतर्गत ग्राम टंडवा में राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने कुल 8.32 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास और भूमिपूजन किया। इस दौरान मंत्री श्री वर्मा ने ग्राम टंडवा में 444.55 लाख रुपये की लागत से बनने वाली दैहानपारा से झोपड़ा पारा बैकुंठ रोड (2.675 किमी) और 387.69 लाख रुपये लागत से टंडवा से बैकुंठ रोड (2.65 किमी) का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही 5 लाख रुपये के पुरातात्विक शाला में 5 लाख रुपये के साइकल स्टैंड और 10 लाख रुपये के प्रार्थना शेड के भी स्टूडियो बने। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 में भी इस मार्ग को लागू किया गया था, लेकिन तत्काल इंटरमीडिएट के कारण काम रुक गया था। अब न केवल सड़क की परंपरा मिली, वोट बोनस के रूप में दो प्रमुख सड़कों की परंपरा मिली है। इस मार्ग के बनने से छात्र, इलेक्ट्रॉनिक्स, असिस्ट और आम जनता को समय की बचत होगी और बड़ी सुविधा मिलेगी। इनमें शेड निर्माण, महतारी सदन, पीडीएस भवन, उद्यान विकास, शौचालय, साइकिल स्टैंड और स्मार्ट क्लास जैसे अभिनवकारी कार्य शामिल हैं।

गुरु गोविंद दोनों खड़े कागे लागू पाँव बलिहारी गुरु आपकी गोविंद दियो बताए

रायपुर (विश्व परिवार)। 12 वी शताब्दी में जब मुगलों के आतंक के कारण मंदिर एवं मूर्तियां खंडित की जा रही थी उस समय प्रथम दादा जिनदत सुरी जी द्वितीय दादा मणिधारी श्री जिनचंद सुरी जी जी एवं प्रगट प्रभावी तृतीय दादा श्री जिनकुशल सुरी जी एवं चतुर्थ दादा अकबर प्रतिबोधक श्री जिनचंद सुरी जी ने अपने साधना एवं सिद्धि से मुगल सम्राट को प्रभावित कर मंदिर एवं मूर्तियों खंडन बंद करवाया जिससे संपूर्ण भारत के मंदिर एवं मूर्तियां संरक्षित हो सकी यही नहीं इन्होंने सत्य अहिंसा के उपदेश देकर पायूषण पर्व में कत्लखाने बंद करने के भी फरमान सम्राट से जारी करवाए आज गुरु पूर्णिमा पर श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर एवं दादाबाड़ी भैरव सोसाइटी ऐसे सभी गुरु भगवंतो के उपकारों को याद करते हुए उन्हें वंदन नमन करते हुए चारों दादा गुरुदेव का संक्षिप्त जीवन परिचय श्रद्धा पूर्वक प्रस्तुत करता है।

प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सुरी जी ये जैन समाज में 12 वि शताब्दी मे जब मुगलों का राज था मंदिर एवं मूर्तियां तोड़ी जा रही थी तब इन्होंने मुगल सम्राट को अपने चमत्कारिक शक्तियों से प्रभावित कर के मंदिर मूर्तियों का विध्वंस बंद करने का सम्राट से आदेश निकलवाया।

द्वितीय दादा से मणिधारी जिनचंद दूरी जी हुए जिन्होंने मुगल शासनकाल में तत्कालीन सम्राट के मृतक पुत्र के शरीर में अपने साधना बल से व्यंतर देव को प्रविष्ट करा कर जीवित कर दिया जिससे सम्राट बहुत ही प्रभावित हुए उनको श्री जिनचंद दूरी जी ने दिल्ली में एवं उनके राज्य में पशुओं की बोली प्रथा पर रोक लगा कर अहिंसा का संदेश दिया।

तृतीय दादा श्री जिनकुशल सूरी जी हुए जिन्हें प्रगट प्रभावी दादा कहा जाता है तथा पूरे भारत में हैं समाज की दादाबाड़ी इनके नाम से ही प्रतिष्ठित है रायपुर में भी भैरव सोसाइटी में श्री जिनकुशल सूरी दादाबाड़ी की प्राण प्रतिष्ठा 2017 में हुई जहां सभी की मनोकामना दादा गुरुदेव के आशीर्वाद से पूर्ण होती है तथा इसे चमत्कारिक दादाबाड़ी भी कहा जाता है श्री जिनकुशल सूरी जी ने साधना बल से वचनसिद्धि प्राप्त की जिससे भक्तों का कष्ट निवारण उनके बोलने से होने लगा 14 वि शताब्दी मे इनके द्वारा 50000 परिवारों को अहिंसा का उपदेश देकर जैन धर्म में दीक्षित किया।

महापौर पहुचे बस स्टैण्ड, चालको एवं दुकानदारो से की चर्चा

■ साफसफाई एवं आवश्यक मरम्मत कर व्यवस्था दुरूस्त करने अधिकारियो को दिए निर्देश

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। महापौर श्री मधुसूदन यादव आज सुबह वार्ड नंबर 15 स्थित बस स्टैण्ड एंव गौरव स्थल का निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा एवं वार्ड पार्षद श्री प्रमोद झंझाडे तथा अधिकारियो के साथ पैदल भ्रमण कर बस चालक, परिचालक तथा दुकानदारो से व्यवस्था संबंधी चर्चा किए। वही उन्होंने गौरव स्थल निरीक्षण कर उसके उन्नयन के लिए अधिकारियो को दिशा निर्देश दिए।

महापौर श्री यादव आज आकस्मिक रूप से बस स्टैण्ड पहुच व्यवस्था का जायजा लिए। उन्होंने बस स्टैण्ड की समस्या के संबंध में दुकानदारो व चालक, परिचालक से चर्चा किए। बस स्टैण्ड में मरम्मत करने तथा कंडम बस को हटाने की मांग की गयी। इस पर महापौर ने निगम के अधिकारियो से कहा कि सर्व प्रथम कंडम खडी बसो को हटाने परिवहन विभाग को पत्र लिखा जाए। इसके अलावा परिसर एवं उसके आस पास व्यापक साफसफाई कराने स्वास्थ्य अमला को निर्देशित किए। उन्होने कहा कि बस स्टैण्ड सार्वजनिक स्थल है, यहा नियमित रूप से साफसफाई हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

महापौर ने तकनीकि अधिकारियो से कहा कि सुरक्षा की दृष्टिकोण से परिसर की सभी खुली स्थल को घेरा करना है। उन्होंने परिसर में आवश्यक मरम्मत करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी समय समय पर निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करे। किसी प्रकार की परेशानी व कमी पर उच्च अधिकारी को अवगत करा समाधान करे।

सतीश थौरानी ने दीप प्रज्वलित कर 'रायपुर गारमेंट फेयर 2026' का किया उद्घाटन

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर होलसेल होजियरी एंड रेडीमेड डीलर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय विशाल 'रायपुर गारमेंट फेयर 2026' (RGF'26) का गरिमामय एवं भव्य शुभारंभ आज, 28 जुलाई 2026 को, वी.आई.पी. रोड स्थित होटल ओमाया गार्डन्स में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के यशस्वी प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी थे। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर इस बहुप्रतीक्षित फेयर का विधिवत शुभारंभ किया।

मुख्य अतिथि के रूप में सभा को संबोधित करते हुए चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी ने आयोजकों को बधाई दी और गारमेंट क्षेत्र के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश दिया 'रायपुर गारमेंट फेयर केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि हमारे क्षेत्र के गारमेंट एवं होजियरी व्यापारियों के लिए संभावनाओं का एक सशक्त द्वार है। आज के प्रतिस्पर्धी दौर में ऐसे आयोजन स्थानीय व्यापार को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाते हैं। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स हमेशा व्यापारियों के हितों की रक्षा, उनके व्यावसायिक कौशल को बढ़ावा देने और उन्हें सर्वोत्तम मंच प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है। RGF'26 निश्चित रूप से प्रदेश के व्यापारिक परिदृश्य को एक नया आयाम और गति प्रदान करेगा।'

चेम्बर कार्यकारी अध्यक्ष एवं एसोसिएशन के मार्गदर्शक श्री जसप्रीत सिंह सलूजा ने कहा कि RGF'26 का आयोजन हमारी व्यापारिक एकजुटता और निरंतर प्रगति का प्रत्यक्ष प्रमाण है। हर वर्ष यह फेयर नए आयाम स्थापित कर रहा है। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी के मार्गदर्शन में हम व्यापारियों को एक ऐसा एकीकृत मंच देने में सफल रहे हैं, जहाँ नए रुझानों, बेहतरीन गुणवत्ता और सुलभ व्यापार का बेहतरीन संगम देखने को मिल रहा है।

रायपुर होलसेल होजियरी एंड रेडीमेड डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री विनोद तलरेजा ने अपने संबोधन में रायपुर गारमेंट फेयर की रूपरेखा प्रस्तुत की और चेम्बर के शीर्ष नेतृत्व के प्रति गहरा आभार व्यक्त और कहा कि

छत्तीसगढ़ के समग्र व्यापार जगत के संबल और हम सभी के मार्गदर्शक, चेम्बर के यशस्वी प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी का इस मंच पर आगमन हमारे लिए अत्यंत गौरव का विषय है। आपकी दूरदर्शी सोच, ओजस्वी नेतृत्व और व्यापारियों के प्रति आपकी निष्ठा ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। आपके कर-कमलों से इस फेयर का शुभारंभ होना संपूर्ण गारमेंट एसोसिएशन के लिए प्रेरणादायी है। हम आपके सतत मार्गदर्शन और अमूल्य सहयोग के लिए आपका हृदय से कोटि-कोटि आभार व्यक्त करते हैं।

उरला डाउन रेल लाइन अंडर ब्रिज मरम्मत कार्य हेतु सड़क आवागमन बंद

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में - उरला डाउन लाइन अंडर ब्रिज - 369B DN आवश्यक कार्य मरम्मत कार्य किया जाना है जिसके कारण दिनांक 08.08.2026 प्रात: 08:00 बजे से दिनांक की सुबह 08:00 बजे से दिनांक 07.10.2026 संध्या 18:00 बजे तक इस अंडर ब्रिज को मरम्मत कार्य के दौरान अंडर ब्रिज की दो लाइनों में से एक लाइन को अस्थाई रूप से बंद कर कार्य किया जाएगा। प्रथम लाइन का कार्य पूर्ण होने के उपरांत दूसरी लाइन पर कार्य किया जाएगा। इस प्रकार अंडर ब्रिज को पूर्णत: बंद नहीं किया जाएगा तथा यातायात एक लाइन से नियंत्रित रूप से संचालित किया जाएगा।

ढाई साल की सरकार में ही भाजपा में भगदड़: बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि ढाई साल में ही भाजपा सरकार के सारे दावे खोखले निकले भाजपा के नेता एवं कार्यकर्ता सरकार के क्रियाकलापों से बेहद खफा एवं नाराज है। सरकार में बैठे नुमाइंदों के व्यवहार, कार्यकर्ताओं को सरकार में पद की उम्मीद नही करने की हिदायत एवं चंद लोग जो 15 साल के सत्ता के दौरान मलाई खाये वही लोगो को निगम मंडल आयोग में पुनः नियुक्ति से कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश है।

इश्तिहार

जयनगर-सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **क्रेता कौशल किशोर पिता स्व. सुखसागर महतो विक्रेता हरि सिंह पिता जोगेन्दर सिंह** से सत्र 1996 में एक प्लाट खरीदा था। जिसका प्लाट नं 271/13 जो कि 1500 स्वायर फिट है। जिसकी रजिस्ट्री पेपर बिश्रामपुर सूरजपुर के बीच कही गिर गया। जिसकी गुमसुदगी की रिपोर्ट थाना बिश्रामपुर में किया गया हूं। जो कि न्याय हित में जरूरी है।

आवेदक
कौशल किशोर ग्राम शिवनन्दनपुर, थाना विश्रामपुर तहसील व जिला सूरजपुर छ.ग.

महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकान्त राठौड़ ने गुरू पूर्णिमा की नगरवासियों को दी शुभकामनायें

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी शहर की प्रथम नागरिक रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे, नगर पालिक निगम के सभापति सूर्यकान्त राठौड़, नगर पालिक निगम संस्कृति विभाग के अध्यक्ष अमर गिदवानी, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर सहित समस्त एमआईसी सदस्यों, सभी जोन अध्यक्षगणों, वार्ड पार्षदों, एल्डरमैनों ने समस्त नगरवासियों को सम्पूर्ण जगत के मार्गदर्शक माने जाने वाले श्री गुरू देव के प्रति श्रद्धा सहित कृतज्ञता ज्ञापित करने के प्रति समर्पित गुरू पूर्णिमा दिनांक 29 जुलाई बुधवार के अवसर पर अग्रिम हार्दिक शुभकामनायें देते हुये समस्त नगरवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और शान्ति प्रदान करने की कामना की।

भिलाई इस्पात संयंत्र में राजभाषा कार्यशाला आयोजित

रायपुर (विश्व परिवार)। भिलाई इस्पात संयंत्र की इस्पात गलन शाला-3 के कॉन्फ्रेंस हॉल में राजभाषा कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विभिन्न एजेंसियों के कुल 37 कर्मियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में राजभाषा के प्रभावी क्रियान्वयन, कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक उपयोग तथा तकनीक आधारित हिंदी कार्यप्रणाली को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया गया। मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (इस्पात गलन शाला-3) त्रिभुवन बैठा ने कहा कि दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी का अधिकतम प्रयोग राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि स्थापना काल से इस्पात गलन शाला-3 ने उत्पादन के साथ-साथ हिंदी में कार्यालयीन कार्यों के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./33286/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 28-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33286
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652I0441A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MAHESH SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KUVAR SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **HUSNARA BEGUM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHAIKH SAGIR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./33473/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 28-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33473
वार्ड का नाम- 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 56 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446B00632** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **M/S SHIVNATH CAPITAL PRIVATE LTD** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **विश्यम हेल्थ केयर एंड रिसर्च प्रा.लि. डायरेक्टर राजेश कुमार जैन, जगजीत सिंह भाटिया , नरेन्द्र राठी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **अनूप चंद जैन , स्व. राजिन्दर पल सिंह , लाल चंद राठी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./33753/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 28-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33753
वार्ड का नाम-30 - शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331E00097** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMT. ARCHANA AVASTHI** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O LATE RAKESH AVASTHI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. MANOJ MASAND 2. BHAVIKA MASAND** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O 1. RAJ KUMAR MASAND 2. W/O MANOJ MASAND** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /33429/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 23-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33429
वार्ड का नाम- 08- महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 08 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226H00295** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NANDAN KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. VISHWNATH SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ROZMA KHAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MUSTUFA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /33431/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 23-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33431
वार्ड का नाम- 08- महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 08 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226I01220** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ABHINAV BAURIA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BOMESH BAURIA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **HEMLATA MAHATO** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PRINCE PRAKASH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, बुधवार 29 जुलाई 2026

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने किया केन्द्रों का निरीक्षण

कोरबा। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतर संचालन एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवाओं के प्रगति की मॉनिटरिंग हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी ने सामुदायिक स्वा.केन्द्र पोंडी उपरोड़ा तथा शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर दर्री बस्ती का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी, आईपीडी, प्रसव कक्ष, ओटी, एनआरसी, दवा वितरण कक्ष, भंडार कक्ष, प्रयोगशाला, एक्स-रे कक्ष का अवलोकन किए तथा संधारित अभिलेखों को देखकर कमियों में आवश्यक सुधार के निर्देश दिए।

पूर्व मंत्री परिवार में मंगलोत्सव

चिं. गौरव संग सौ.कां. ऐश्वर्या का परिणयोत्सव सौल्लास संपन्न

झांसी (विश्व परिवार)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री प्रदीप जैन 'आदित्य' एवं श्रीमती स्नेह लता जैन के सुपुत्र एड. चि. गौरव जैन का शुभ पाणिग्रहण संस्कार श्री अरविंद श्रीमती बिन्दु की सुपुत्री सौ.कां. ऐश्वर्या के साथ ओरछा स्थित ओरछा पैलेस मे अति उल्लास के साथ सानंद संपन्न हुआ।

इस अवसर पर म.प्र. के पूर्व मुख्य मंत्री श्री दिग्विजय सिंह सहित विभिन्न राजनैतिक दलों केवरिष्ठ नेताओ, समाज सेवियों, उद्योगपतियो, व्यापारीगण, संपादकों, पत्रकारों, शुभ चिंतकों, उभय पक्ष के सगे संबंधी जनों हजारों इष्ट मित्रों ने उपस्थित होकर अपनी शुभकांमनाए भेंट की।

आगत जनों का स्वागत श्री अजित जैन, श्री अनिल जैन, श्रीमती सुधा चौधरी आदि ने किया। दैनिक विश्व परिवार झांसी-रायपुर नव दंपति के भावी आंमदमयी, सुदीर्घ यशस्वी जीवन की कांमना करता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भोरमदेव धाम में की पूजा अर्चना, प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए की मंगलकामना

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सपत्नीक श्रीमती कौशल्या साय के साथ विश्वप्रसिद्ध एवं ऐतिहासिक भोरमदेव मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान भोलेनाथ के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा मंदिर की परिक्रमा कर प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और जनकल्याण की मंगलकामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पंच दिवसीय महा चतुर शुद्धि सहस्त्र कलशम् महाअनुष्ठान में भी सम्मिलित हुए और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आयोजित धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता कर प्रदेश की उन्नति, सामाजिक सद्भाव और लोकमंगल की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भोरमदेव छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, सनातन परंपरा और आध्यात्मिक चेतना का गौरवशाली प्रतीक है। ऐसे महाअनुष्ठान हमारी प्राचीन वैदिक परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ-साथ समाज में सकारात्मक ऊर्जा, सद्भाव और लोककल्याण की भावना को भी सशक्त बनाते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आगामी 30 जुलाई से भगवान शिव की आराधना का पावन श्रावण मास प्रारंभ होने जा रहा है। पिछले दो वर्षों से उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के साथ भोरमदेव धाम पहुंचने वाले कांवड़ यात्रियों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत करने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा भारतीय संस्कृति की जीवंत परंपरा का प्रतीक भी है। इस वर्ष भी श्रद्धालुओं के अभिनंदन के लिए वे स्वयं भोरमदेव धाम पहुंचकर पुष्पवर्षा करेंगे।

उल्लेखनीय है कि श्री महादिव्य देशम फाउंडेशन के तत्वावधान में 25 जुलाई से प्रारंभ यह पंच दिवसीय महाअनुष्ठान कबीरधाम सहित संपूर्ण छत्तीसगढ़ के सुख, समृद्धि और आध्यात्मिक कल्याण की भावना से आयोजित किया जा रहा है। फाउंडेशन के प्रमुख राजीव राकुल स्वामी (केरल) के अनुसार यह अनुष्ठान प्राण-प्रतिष्ठित मंदिरों के शुद्धिकरण एवं दिव्य ऊर्जा के पुनर्संचार की प्राचीन वैदिक परंपरा पर आधारित है, जिसे भगवान परशुराम स्त्रोतम तथा आगम शास्त्रों में वर्णित विधि-विधान के अनुसार संपन्न कराया जा रहा है।

इस अवसर पर विधायक पंडरिया श्रीमती भावना बोहरा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, वैदिक आचार्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

लोगों की सहमति से स्मार्ट मीटर निकालने के लिये कांग्रेस द्वारा भरवाये जा रहे हैं फॉर्म : उपाध्याय

■ भाजपा सरकार महिलाओं को सम्मान नहीं बिजली बिल का बोझ दे रही

रायपुर (विश्व परिवार)। पूर्व संसदीय सचिव एवं छाया सांसद विकास उपाध्याय ने कहा कि हर इंसान का एक मासिक बजट होता है, दस हजार-15 हजार महीना कमाने वाले व्यक्ति इस पैसे से घर का राशन भरते हैं, मकान का किराया देते हैं, बच्चों की स्कूली फीस पटाते हैं, अपनी गाड़ियों में पेट्रोल-डीजल डलाते हैं। ऐसी स्थिति में अगर 1000-1500 आने वाला बिजली बिल अगर 5 गुना 7 गुना बढ़कर आ रहा है तो पूरे परिवार का बजट उथल-पुथल हो जाता है और जो परिवार चलाने वाला पालक है उसे बाजार से कर्ज लेना पड़ रहा है जिससे व्यक्तियों को मानसिक परेशानी से जुझना पड़ रहा है और ब्याज पटाने का टेंशन अलग से। महतारी वंदन योजना के नाम पर महिला बहनों को 1000 रूपये देकर उसकी वसूली बिजली बिल के माध्यम से कई गुना बीजेपी सरकार कर रही है। इसीलिये आज कांग्रेसजन एवं आमजनों ने मिलकर ''महतारी वंदन योजना के नाम से स्मार्ट मीटर'' का नामकरण किया और यह निरंतर जारी रहेगा। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी दीपक बैज के नेतृत्व में पहले से ही महंगी बिजली दर को लेकर संपूर्ण छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी द्वारा आंदोलन किये जा रहे हैं और स्मार्ट मीटर को बदलने के लिए आंदोलन किया जा रहा है तथा लोगों की सहमति से स्मार्ट मीटर निकालने के लिये फॉर्म भी भरवाये जा रहे हैं। उपाध्याय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सरप्लस बिजली होने के बाद भी छत्तीसगढ़ की जनता को महंगी बिजली बिल का झटका दिया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी ने माउंट एवरेस्ट विजेता अमिता श्रीवास का किया सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी द्वारा विश्व की सर्वोच्च चोटी माउंट एवरेस्ट (8,848.86 मीटर) पर सफलतापूर्वक तिरंगा लहराने वाली पर्वतारोही अमिता श्रीवास का कंपनी मुख्यालय में सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक श्री एस.के. कटियार ने उन्हें स्मृति चिन्ह एवं एक पौधा भेंट कर उनके अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प तथा ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर अमिता श्रीवास ने माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय तथा प्रमुख सचिव, ऊर्जा एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके द्वारा प्रेषित शुभकामनाओं एवं बधाई संदेश के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर प्रबंध निदेशक श्री एस.के. कटियार ने कहा कि छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी ने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं। सीमित संसाधनों तथा साधारण परिवार से होने के बावजूद उन्होंने माउंट एवरेस्ट फतह करने का सपना देखा और उसे साकार करने के लिए निरंतर प्रयास किए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी द्वारा प्रदान की गई आर्थिक सहायता एवं प्रोत्साहन ने उनके मनोबल को सुदृढ़ किया, जिसके बल पर वे माउंट एवरेस्ट अभियान को सफलतापूर्वक पूरा कर सकीं।

सम्मान समारोह में कार्यपालक निदेशक एम.एस. कंवर, सी.एल. नेताम, संदीप मोदी, मुख्य अभियंता संजीव शुक्ला, गिरीश गुप्ता, सुभाष शर्मा, जीतेन्द्र कुमार चावड़ा, देवेन्द्र नाथ, इन्तेकाब आलम अंसारी, एच.एन. कोसरिया, रोहित डहरवाल, शशिधर द्विवेदी तथा बलवंत पाटिल उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क) गोविन्द पटेल ने किया।

वाणी पर संयम रखें, अनजाने में कहे शब्द भी कर्मबंधन का कारण बनते हैं : साध्वी मंजुलाश्रीजी

■ गुरु पूर्णिमा पर दादाबाड़ी में चारों दादा गुरुदेव की होगी विशेष पूजा

रायपुर (विश्व परिवार)। आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास-2026 के अंतर्गत श्री जिनकुशलसूरि जैन दादाबाड़ी में आयोजित धर्मसभा में पूज्य साध्वी मंजुलाश्रीजी म.सा. ने वाणी, विचार और प्रवृत्ति की शुद्धता पर बल देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी वाणी पर नियंत्रण रखना चाहिए। कोई भी बात कहने से पहले गंभीरता से विचार करना आवश्यक है, क्योंकि कटु और नकारात्मक शब्द अनजाने में भी कर्मबंधन का कारण बन जाते हैं।

उन्होंने कहा कि आज सहनशीलता लगातार कम होती जा रही है। छोटी-सी बात पर लोग आवेश में आकर अपशब्द बोल देते हैं, जबकि यह नहीं सोचते कि ऐसी वाणी से वे कितने कर्मों का बंधन कर रहे हैं। उन्होंने प्रेरणा देते हुए कहा कि मनुष्य को ऐसी मधुर वाणी बोलनी चाहिए, जिसे सुनकर लोगों के मन में प्रसन्नता उत्पन्न हो और वे उसकी बातों से प्रेरणा प्राप्त करें।

साध्वीश्री ने कहा कि किसी भी कार्य के पीछे दो महत्वपूर्ण आधार होते हैं—वृत्ति और प्रवृत्ति। वृत्ति हमारे विचारों, संकल्पों और योजनाओं का स्वरूप है, जबकि प्रवृत्ति उन विचारों को व्यवहार में उतारने की प्रक्रिया है। इसी दौरान कषायों का प्रभाव भी जुड़ जाता है, जो हमारे कर्मों और उनके परिणामों को प्रभावित करता है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने ज्ञानेश्वरी यादव को दी बधाई

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने ग्लासगो में चल रहे राष्ट्रमंडल खेलों में भारोत्तोलन में रजत पदक जीतने वाली ज्ञानेश्वरी यादव को बधाई दी है।

राजनांदगांव की वेटलिफ्टर ज्ञानेश्वरी ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 53 कि लोग्राम भार वर्ग में कुल 199 कि लोग्राम वजन उठाकर रजत पदक जीता है। उप मुख्यमंत्री साव ने ज्ञानेश्वरी को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में रजत पदक जीत कर भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी का नाम रोशन किया है। उनकी शानदार सफलता से राज्य के खिलाड़ी प्रेरणा लेंगे और आगे बढ़ेंगे।

स्मार्ट मीटर से बिजली खपत नहीं बढ़ती, तीन शहरों के सर्वे में सामने आई सच्चाई

■ रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग के तुलनात्मक अध्ययन में जुलाई माह में बिजली खपत में उल्लेखनीय कमी दर्ज

रायपुर (विश्व परिवार)। स्मार्ट मीटर को लेकर फैलाई जा रही भ्रांतियों और अफवाहों के बीच छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों में स्मार्ट मीटर लगे घरेलू उपभोक्ताओं की बिजली खपत का तीन माह का तुलनात्मक अध्ययन कराया है। मई, जून और जुलाई 2026 की खपत के विश्लेषण में यह सामने आया कि अधिकांश उपभोक्ताओं की बिजली खपत जुलाई माह में कम हुई है।

रायपुर शहर क्षेत्र के 3,11,374 घरेलू स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के अध्ययन में 1 जून से 26 जून 2026 के दौरान कुल बिजली खपत लगभग 10.85 करोड़ यूनिट दर्ज की गई थी, जबकि 1 जुलाई से 26 जुलाई 2026 के दौरान यह घटकर लगभग 7.77 करोड़ यूनिट रह गई। अर्थात कुल 28 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। यदि 400 यूनिट से ज्यादा खपत करने वाले उपभोक्ताओं की बात करें, तो 1 लाख 21 हजार 135 उपभोक्ताओ के बिलों के विश्लेषण से पता चलता है, कि उनकी खपत में लगभग 44 प्रतिशत की कमी हुई है। कारण स्पष्ट है, कि खपत का आधार स्मार्ट मीटर नहीं अपितु उपभोक्ताओं द्वारा की जा रही वास्तविक खपत है। ऐसे उपभोक्ता जिनके आवासों में स्मार्ट मीटर नहीं लगे थे उनकी खपत में भी माह अप्रैल-मई-जून में पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि दर्ज हुई है। इसी प्रकार दुर्ग शहर के चयनित 240 स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं जिनकी खपत 400 यूनिट से अधिक थी, के तीन माह के तुलनात्मक अध्ययन में भी जुलाई माह में बिजली की खपत में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई। अध्ययन में जुलाई 2026 में कुल बिजली खपत 76,257 यूनिट रही, जबकि जून 2026 में यह 1,65,411 यूनिट तथा मई 2026 में 1,75,451 यूनिट थी। इस प्रकार जुलाई माह में लगभग 53 प्रतिशत की कमी खपत में दर्ज हुई है। बिलासपुर के सिटी सर्किल में 400 यूनिट से अधिक मासिक खपत वाले 9,717 स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं का विश्लेषण किया गया।

धमतरी पुलिस ने विद्यार्थियों को किया जागरूक

धमतरी। धमतरी पुलिस ने जिले में चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियान के तहत नगरी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव, नशामुक्ति, सडक़ सुरक्षा और नए आपराधिक कानूनों की जानकारी देकर जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया गया। पुलिस अधीक्षक भावना पांडेय के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में एसडीओपी नगरी विपिन रंगारी और थाना प्रभारी नगरी टापेश्वर मरकाम ने विद्यार्थियों को डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों से सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने फर्जी कॉल, ओटीपी और बैंकिंग धोखाधड़ी, फर्जी लिंक, ऑनलाइन गेमिंग फ्रॉड, सोशल मीडिया हैकिंग, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी निवेश योजनाओं और साइबर ब्लैकमेल जैसे अपराधों से बचने के व्यावहारिक उपाय बताए। साथ ही किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से भी अवगत कराया गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवार और समाज पर गंभीर प्रभाव डालता है।

गांधीधाम स्टेशन के स्थान पर गोपालपुर स्टेशन पर ठहराव के साथ चलेगी शालीमार-भुज-शालीमार सुपरफास्ट एक्सप्रेस

■ 19 एवं 22 सितंबर 2026 से लागू होगी नई व्यवस्था - कुछ स्टेशनों के समय-सारिणी में आंशिक संशोधन

रायपुर (विश्व परिवार)। यात्रियों की सुविधा एवं परिचालन व्यवस्था के मद्देनज़र रेलवे प्रशासन द्वारा ट्रेन संख्या 22830/22829 शालीमार-भुज-शालीमार साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस के परिचालन में आंशिक परिवर्तन किया गया है। अब यह ट्रेन गांधीधाम स्टेशन के स्थान पर गोपालपुर स्टेशन पर वाणिज्यिक ठहराव करते हुए संचालित की जाएगी तथा गांधीधाम स्टेशन नहीं जाएगी। इस व्यवस्था के फलस्वरूप दोनों दिशाओं में कुछ स्टेशनों के समय सारणी में भी आंशिक संशोधन किया गया है।

विवरण इस प्रकार है - दिनांक 19 सितम्बर 2026 से (प्रत्येक शनिवार को) शालीमार से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 22830 शालीमार-भुज साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस गांधीधाम स्टेशन के बदले गोपालपुर स्टेशन पर ठहराव के साथ चलेगी। यह गाड़ी गोपालपुर स्टेशन 12.35 बजे पहुंचेगी तथा 12.50 बजे प्रस्थान करेगी।

इसके साथ ही यह गाड़ी आंशिक समय परिवर्तन के साथ आदिपुर स्टेशन 12.58 बजे पहुंचेगी एवं 13.00 बजे प्रस्थान करेगी तथा भुज स्टेशन 14.25 बजे पहुंचेगी। शेष स्टेशनों के ठहराव व समय में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

इसी प्रकार दिनांक 22 सितम्बर 2026 से (प्रत्येक मंगलवार को) भुज से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 22829 भुज-शालीमार साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस गांधीधाम स्टेशन के बदले गोपालपुर स्टेशन पर ठहराव के साथ चलेगी।

यह गाड़ी गोपालपुर स्टेशन 16.09 बजे पहुंचेगी तथा 16.24 बजे प्रस्थान करेगी। इसके साथ ही यह गाड़ी आंशिक समय परिवर्तन के साथ भुज स्टेशन से 15.30 बजे रवाना होगी। आदिपुर स्टेशन 16.03 बजे पहुंचेगी तथा 16.05 बजे प्रस्थान करेगी जबकि भचाउ स्टेशन 17.04 बजे पहुंचेगी एवं 17.06 बजे प्रस्थान करेगी। शेष स्टेशनों के ठहराव व समय सारिणी पूर्ववत रहेगी।

केन्द्र और राज्य सरकार हर मोर्चे पर विफल : भूपेश बघेल

■ पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल की पत्रकारों से चर्चा

रायपुर (विश्व परिवार)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य और केंद्र सरकार पर एक साथ तीखा हमला बोला है। उन्होंने खेती, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, खाद की किल्लत और युवाओं पर कार्रवाई जैसे कई मुद्दों को लेकर सरकार को घेरा। भूपेश बघेल ने आरोप लगाया कि सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि प्रदेश में खंड वर्षा के कारण खेती बुरी तरह प्रभावित हुई है, लेकिन किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार के पास कोई ठोस योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि 16 जून से स्कूल खुल गए, लेकिन आज तक कई बच्चों को न तो बस्ता मिला है और न ही ड्रेस। स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी बनी हुई है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि अंग्रेजी हुकूमत में ईस्ट इंडिया कंपनी थी अब भाजपा सरकार में वेस्ट इंडिया कंपनी बिजली में लूट मचाए हुए है, साय की योजना अडानी का स्मार्ट मीटर और उसमें अंबानी का चिप लगाकर संगठित लूट मचाए हुए हैं, छत्तीसगढ़ के एक पत्रकार को 9 लाख का बिल इसी महीने थमाया गया है, गर्मी से ज्यादा बिल बरसात में आ रहे हैं, बिजली बिल की अधिक वसूली से हर वर्ग प्रभावित है, जन आक्रोश है, कवर्धा जिले के पांडातराई में आम जनता घरों, दुकानों और खेतों में जबरिया लगाए गए स्मार्ट मीटर को उखाड़कर फेक रहे प्रदर्शन कर रहे हैं। बिजली उपभोक्ताओं से अत्याचार के बाद अब मीटर रीडरों को भी निकलने की तैयारी है, वे भी आंदोलित हैं। स्मार्ट मीटर लगने से उपभोक्ता परेशान हैं और मीटर रीडरों की नौकरियां भी खत्म हो गई हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि पूरे प्रदेश में खाद की बेहद कमी है , कल मैं गरियाबंद गया था, वहां भी किसान यही शिकायत कर रहे थे कि डीएपी नहीं मिल रहा, यूरिया नहीं मिल रहा कवर्धा में अधिकारी जांच करने गया, वहां उसकी पिटाई हो गई। दोगुने तिगुने दाम पर खाद की कालाबाजारी हो रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि जंतर मंतर देश भर का युवा प्रदर्शनकारियों का केंद्र था, सरकार को झुकने पड़ा मंत्री को इस्तीफा देना पड़ा, उसी समय बीजेपी का पोस्ट आया शेर दो कदम पीछे कब हटता हैं, उसकी असलियत अब सामने आने लगी है। बिहार और बंगाल में सैकड़ों बच्चे जेलों में डाले गए। बिहार में एक 47 चला।अभी तक राजनैतिक दल के लोग उद्योगपति टारगेट में थे, अब जैन जी के बच्चों को टारगेट कर रहे हैं, देश में नया दौर आ रहा सरकार के टारगेट में जैन जी है। सरकार में बैठे लोगों ने जो सिखाया, वही सामने आ रहा 12 सालों में जिस भाषा का प्रयोग भाजपा के नेता मंत्रियों ने किया, बच्चे उसी भाषा का प्रयोग कर रहे। मैं उस भाषा का समर्थन नहीं करता, लेकिन भाजपा की ट्रॉल आर्मी ने विपक्ष के लिए जिस भाषा का प्रयोग किया बच्चे वही सिख रहे और उसी भाषा में इस सरकार को जवाब दे रहे हैं। सरकार ने समझौता किया फिर बच्चों के खिलाफ कार्यवाही क्यों कर रही मंत्रियों ने प्रेस कांफ्रेंस कर वादा किया था कि बच्चों पर कोई कानूनी कार्रवाई नहीं होगी फिर क्यों जेल भेजा जा रहा है?

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354